हरिभूमि

रायपुर भूमि

राजधानी से 30 किलोमीटर दूर ग्राम रींवा आरंग में पानी को तरस रहे ग्रामीण

ढाई साल से टंकी सूखी, रसातल में पानी टैंकर से कुएं को भरने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर आरंग विकासखंड अंतर्गत ग्राम रीवा में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है। भीषण गर्मी के कारण इस गांव में जहां वाटर लेवल डाउन होने के कारण कुंए सूख चुके हैं, वहीं जल जीवन मिशन योजना के तहत पानी टंकी कनेक्शन एवं घर-घर नल कनेक्शन का कार्य अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। इसके कारण इस योजना के तहत भी ग्रामीणों ▶▶|शेष पेज 13 पर

पीने का पानी नहीं, 5 हजार लीटर की टंकी लगवा रहे सरपंच

गांव में अन्य उपयोग के लिए पानी की व्यवस्था कुंए में की जा रही है, लेकिन पीने का शुद्ध पानी के लिए अभी भी गांव में दिक्कत बनी हुई है। गांव में एक बोर है, जो चालू है। इसी बोर से लोग पीने का पानी भरते हैं। गांव के सरपंच पीने का पानी की समस्या खत्म करने ▶▶|शेष पेज 13 पर

कई गांव में यही स्थिति

रीवा के अलावा आरंग क्षेत्र के कई गांव में यही स्थिति है। कई गांव में अभी तक जल जीवन मिशन योजना के कार्य पिछले कई साल से अधूरे पड़े हुए हैं। इन्हें पूरा नहीं किया जा रहा है। इसका कारण विभाग के अधिकारी फंड का नहीं होना बताते हैं।

- वतन चंद्राकर
सदस्य, जिला पंचायत रायपुर

गांव में 5 सार्वजनिक कुएं सभी सूख चुके

रींवा के सरपंच घसिया राम साहू ने बताया कि उनके गांव में 5 सार्वजनिक कुंए हैं, इनमें एक पंचायत का है। ये कुंए सतनामी पारा, ढीमरपारा, बंधवापारा, पंचायत भवन परिसर आदि जगह है। सभी कुंए भूजल का स्तर नीचे चले जाने से सूख चुके हैं। इन सभी कुंओं में तालाब और नहर के माध्यम से पानी ▶▶|शेष पेज 13 पर

कई ग्रामीण भी निजी कुंए में डलवा रहे टैंकर से पानी

गांव में पानी की आपूर्ति के लिए सरंपच सहित पंचायत के अन्य सदस्यों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बाद भी गांव में पानी की समस्या बनी हुई है। इसके कारण कई ग्रामीण अपने व्यक्तिगत कुंए से लेकर पानी टंकियों में टैंकर के जरिए पानी डलवा रहे हैं। इसके लिए लगभग 7 सौ ▶▶|शेष पेज 13 पर

खबर संक्षेप

पूजा सामग्री दुकान में चोरी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गोलबाजार पुलिस ने एक माह पूर्व पूजा सामग्री दुकान में चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। फूल चौक पर पूजा सामग्री की दुकान लगाने वाले नरेंद्र केशरवानी की शिकायत पर पुलिस ने चोरी के आरोप में मूलतः बिहार, सारंग निवासी सोन कुमार को गिरफ्तार किया है। नरेंद्र ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 13 अप्रैल को सोन कुमार उसके दुकान में पूजा सामग्री खरीदने के बहाने उसे उलझाकर गल्ले में रखी नकदी रकम 53 हजार रुपए चोरी कर फरार हो गया था।

घर के बाहर खड़े ऑटो की चोरी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र में छह दिन पूर्व घर के बाहर खड़ी ऑटो चोरी कर ले जाने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की ऑटो जब्त किया है। भानुप्रताप भोई के शिकायत पर पुलिस ने ऑटो चोरी करने के आरोप में राकेश प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया है। भानुप्रताप ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 3 मई को घर के बाहर खड़े उसके ऑटो को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। राकेश के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में भी चोरी का अपराध दर्ज है।

मंत्रालय में नौकरी लगाने का झांसा, 23 लाख ठगे

रायपुर। डीडीनगर थाने में एक युवक ने जशपुर के एक दंपति के खिलाफ मंत्रालय में नौकरी लगाने का झांसा, फर्जी नियुक्ति प्रमाणपत्र देकर 23 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रायपुरा विकाश विहार कालोनी निवासी आकाश साहू ने विश्वनाथ गुप्ता तथा उसकी पत्नी चंदा गुप्ता के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। आकाश ने पुलिस को बताया कि विश्वनाथ गुप्ता ने मंत्रालय में अधिकारियों से संबंध होने का झांसा देकर उसे, उसकी पत्नी तथा अन्य रिश्तेदारों को मंत्रालय के जल संसाधन विभाग में ऑपरेटर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया।

होटल कारोबारी के घर से लाखों के जेवर पार

रायपुर। गुढ़ियारी थाने में एक व्यक्ति ने अज्ञात चोर के खिलाफ सूने मकान का ताला तोड़कर साढ़े तीन लाख रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामनगर निवासी हेमलाल साहू ने चोरी की शिकायत की है। पेशे से होटल कारोबारी हेमलाल ने पुलिस को बताया कि उनका घर तथा होटल लगा हुआ है। मंगलवार को घर पर कोई नहीं था। हेमलाल घर के मेन गेट पर ताला लगाना भूल गया। इसका फायदा उठाते हुए अज्ञात चोर हेमलाल के घर में प्रवेश कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर चोरी कर रफूचक्कर हो गया।

कैसे सुधरेगा शहर, सड़कों के लिए घोषणाएं बड़ी पर काम धीमा, कहीं जमीन का पेंच, कहीं सिर्फ सर्वे

चार सड़कों का हो चुका सर्वे, डीपीआर शासन को भेजा गया, कुछ इलाकों में कब्जा हटाना बड़ी चुनौती

मनुवास रियलिटी से महादेवघाट तक सड़क निर्माण चौड़ीकरण का सर्वे कर शासन को भेजी डीपीआर

केनाल रोड 2.0 में नहर पट्टी की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाना चुनौती

कचना क्रासिंग से सेंट जेवियर सड़क चौड़ीकरण में लैंड इशू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

रायपुर शहर को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत 7 सड़कों का चौड़ीकरण और निर्माण होगा। इनमें से चार सड़कों के चौड़ीकरण और निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सर्वे पूरा कर लिया है, लेकिन काम आसान नहीं होगा। कई जगह पेंच नजर आ रहा है। केनाल रोड 2.0 यानी कलर्स माल के पीछे से भाठागांव मार्ग तक 4.5 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए कराए गए सर्वे में नहर पट्टी से लगी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध बस्तियां हटाना निगम के लिए चुनौती है। वहीं कचना क्रासिंग से सेंट जेवियर होते हुए वीआईपी रोड तक सड़क चौड़ीकरण में निजी जमीन का इशू सामने आया है। नगर निगम ने डीपीआर बनाकर शासन को प्रस्ताव भेज दिया है, पर आगे का काम धरातल पर नजर नहीं आ रहा है।

महापौर मीनल चौबे ने इस बार के अपने निगम बजट में शहर ▶▶|शेष पेज 12 पर

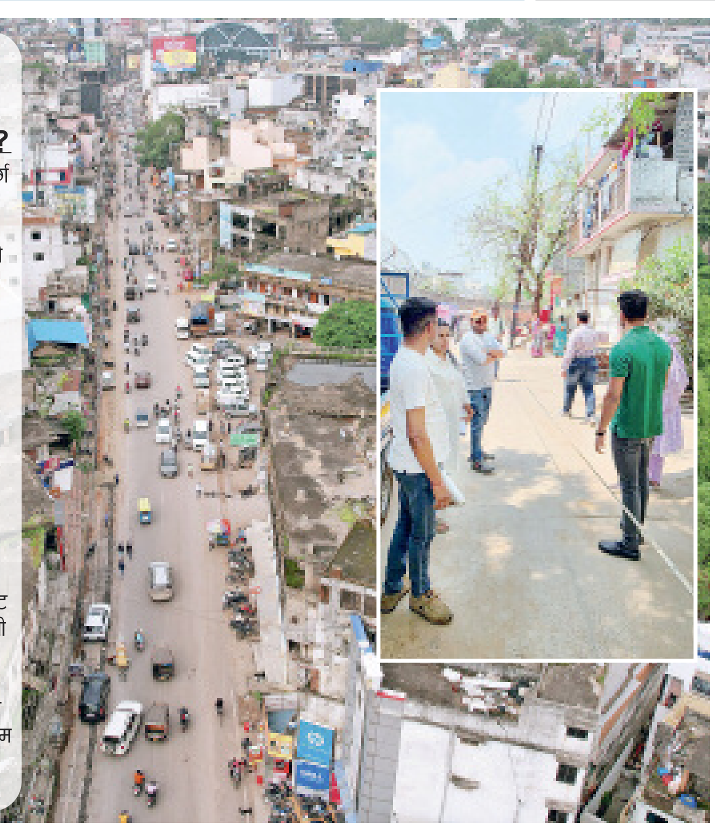

तात्यापारा से शारदा चौक सड़क चौड़ीकरण में फ्लाई ओवर या चौड़ीकरण?

शहर के शारदा चौक से तात्यापारा मार्ग के विकास को लेकर फ्लाई ओवर या सड़क चौड़ीकरण इस पर अभी भी संशय की स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने फरवरी 2026 के बजट में इस मार्ग पर फ्लाई ओवर निर्माण के लिए 100 करोड़ का प्रावधान किया है। जबकि स्थानीय निवासियों और व्यापारियों के साथ-साथ रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सहित शहर के विधायकों ने फ्लाईओवर की जगह सड़क चौड़ीकरण करने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दिया है। क्योंकि फ्लाई ओवर बनने से नीचे के व्यापारियों का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित होगा। हैरानी की बात ये हे कि राज्य के बजट में राशि स्वीकृत होने के बाद भी एजेंसी का निर्धारण नहीं हो पाया है। यह निर्माण नगर निगम करेगा या लोक निर्माण विभाग, दोनों विभाग एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। नगर निगम द्वारा साल 2024-25 में कराए गए सर्वे के अनुसार ▶▶|शेष पेज 13 पर

मनुवास रियलिटी से महादेवघाट तक वैकल्पिक मार्ग

नगर निगम जोन 8 क्षेत्र स्थित मनुवास रियलिटी से महादेवघाट तक 2.1 किलोमीटर सड़क निर्माण और चौड़ीकरण करने प्रारंभिक स्तर पर नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सर्वे पूरा कर डीपीआर बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। 30 करोड़ का प्रावधान इस ▶▶|शेष पेज 13 पर

केनाल रोड 2.0

कलर्स माल के पीछे से भाठागांव तक 4.5 किलोमीटर दायरे की सड़क का निर्माण और चौड़ीकरण की योजना है। इसके लिए संबंधित जोन , लोक कर्म विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे किया गया है। जिसमें नहर पट्टी के पास सरकारी जमीन पर बनाए गुरूमुख नगर को चिंहाकित किया गया है। इसे हटाने के लिए वहां के रहवासियों को जोन के माध्यम से नोटिस दिया गया है। प्रभावितों ने ▶▶|शेष पेज 13 पर

पंडरी कपड़ा मार्केट से मुख्य मार्ग तक सीधी सड़क, दायरे में निजी जमीन मुआवजा का पेंच

पंडरी कपड़ा मार्केट से सीधी सड़क पंडरी मुख्य मार्ग तक बनाई जानी है इसके लिए 6 करोड़ का प्रावधान किया गया है, पर इसमें कुछ निजी जमीन भी सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आ रही है। पॉश इलाके की जमीन होने के कारण इसका बाजार मूल्य भी ज्यादा है, ऐसे में मुआवजा का पेंच फंस रहा है। जिस कार्य के लिए 6 करोड़ का प्रावधान है उसकी जगह उसमें 16 करोड़ का खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसे में डीपीआर बनाकर शासन के पास मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

फुंडहर और सूरजनगर के रहवासियों को नोटिस

लभांडी चौक से अग्रसेन धाम होते हुए फुंडहर चौक तक सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले रहवासियों को नगर निगम जोन 9 ने नोटिस जारी कर भू स्वामीत्व संबंधी दस्तावेज जैसे रजिस्ट्री कापी, बी 1, भवन निर्माण अनुज्ञा, संपत्ति कर की रसीद और स्वीकृत मानचित्र की प्रतियां जमा करने कहा है। प्रभावितों ने निगम आयुक्त से मुलाकात कर आदेश को अव्यवहारिक बताया। उनका कहना है ▶▶|शेष पेज 13 पर

गोलीकांड का सीसीटीवी फूटेज, भागने के लिए स्कूटर की चाबी मांगने मेडिकल स्टोर में पिस्टल से धमकाया

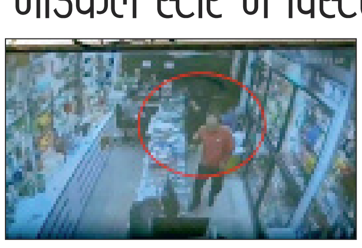

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

पंडरी थाना क्षेत्र के मोवा में तीन दिन पूर्व मंगलवार को पारिवारिक रंजिश पर दो सालियों की गोली मारकर हत्या करने वाले हत्यारे का एक सीसीटीवी फूटेज सामने आया है। सालियों की हत्या करने के बाद आरोपी जितेंद्र वर्मा पिस्टल लेकर घटना स्थल से सटे एक मेडिकल स्टोर के अंदर घुस गया। मेडिकल स्टोर के अंदर वह पिस्टल तानकर संचालक को दौड़ाते दिख रहा है। इसकी पुष्टि मेडिकल स्टोर में लगे सीसीटीवी फूटेज से हुई है। हालांकि मेडिकल स्टोर संचालक ने घटना की थाने में अब तक किसी भी प्रकार से शिकायत दर्ज नहीं कराई है। स्थानीय रहवासियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि अपनी साली गीतांजली तथा दुर्गेश्वरी को गोली मारने के बाद जितेंद्र सीढ़ी से नीचे उतरा, इसके बाद वह भागने के लिए साधन ढूंढने लगा। घटना स्थल से सटा दुर्गा मेडिकल है। मेडिकल स्टोर के बाहर जितेंद्र ने एक स्कूटर खड़ा देखा।

मेडिकल स्टोर में किया हंगामा

मेडिकल स्टोर के अंदर घुसने के बाद जितेंद्र ने मेडिकल स्टोर संचालक पर पिस्टल तान कर उसे जान से मारने की धमकी देते हुए दुकान के अंदर ही दौड़ाने लगा। मेडिकल स्टोर संचालक को पिस्टल लेकर दौड़ाते देख वहां काम करने वाले कर्मी डर कर मेडिकल स्टोर से बाहर निकल भागे और शोर मचाने लगे। बताया जा रहा है, जितेंद्र मेडिकल स्टोर संचालक से भागने के लिए उस पर पिस्टल तान कर स्कूटर की चाबी देने दबाव बना रहा था। कर्मचारियों के शोर मचाने के बाद जरूर कुछ लोग मेडिकल स्टोर पहुंचे, लेकिन जितेंद्र के हाथ में पिस्टल देख बीच बचाव करने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसके बाद जितेंद्र लोगों को धमकाते हुए पिस्टल अपनी पेंट के पीछे की तरफ खोंस कर पैदल ही जाने लगा। जितेंद्र भाग पाता, इसके पहले पुलिस ने उसे दबोच लिया।

मेडिकल स्टोर में फायरिंग की चर्चा

सूत्रों के मुताबिक पुलिस को मेडिकल स्टोर के पास कारतूस का खाली खोखा मिला है। हालांकि पुलिस ने मेडिकल स्टोर के पास से कारतूस का खाली खोखा मिलने की पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है, जितेंद्र ने मेडिकल स्टोर संचालक को डराने के लिए हवाई फायरिंग की थी। पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक को जितेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने दबाव भी बनाया। दुकान संचालक ने घटना की किसी भी तरह से एफआईआर कराने की बात से इनकार कर दिया है। इस प्रकरण में पुलिस स्वतः संज्ञान लेते हुए सीसीटीवी फूटेज के आधार पर कार्रवाई करने की बात कह रही है।

4 डिग्री तक चढ़ेगा पारा अंधड़ संग बूंदाबांदी भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ गुरुवार को 40 डिग्री से नीचे पहुंचा राजधानी का तापमान

गर्मी से सप्ताह भर राहत के बाद अब पारा फिर चढ़ेगा। अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है, जिसके बाद इसमें कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की भविष्यवाणी मौसम विभाग द्वारा की गई है। अगले 5 दिनों में एक-दो स्थानों पर तेज हवाओं और वज्रपात व गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना भी है। ▶▶|शेष पेज 12 पर

वज्रपात की चेतावनी

दक्षिणी मध्य प्रदेश के मध्य भाग से छत्तीसगढ़ होते हुए झारखंड तक समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर ऊपर स्थित द्रोणिका बना हुआ है। ओडिशा के आंतरिक भाग और उससे सटे छत्तीसगढ़ के ऊपर समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके चलते प्रदेश में आज ▶▶|शेष पेज 13 पर

8 साल बाद मिली बजट को स्वीकृति, फंड जारी होने के 2 महीने बाद भी टेंडर नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में बोरियाखुर्द से भरेंगाभाठा तक मुख्य सड़क पिछले 8 साल से अंधेरे में डूबी हुई है। इस मार्ग पर वर्ष 2018 में नई सड़क का निर्माण हुआ, लेकिन सड़क के दोनों तरफ स्ट्रीट लाइटें ही नहीं लगाई गई हैं। इसके कारण यह पूरा मार्ग दिन ढलने के बाद अंधेरे में डूबा रहता है। इस मार्ग पर स्ट्रीट लाईटें लगाने के लिए 8 साल के बाद शासन ने न केवल बजट को स्वीकृति दी है, बल्कि संबंधित विभाग को फंड भी जारी कर दिया है। फंड जारी हुए करीब दो ▶▶|शेष पेज 12 पर

काम जल्द शुरू कराना चाहिए

स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए विभाग को फंड जारी हो गया है। जल्द से जल्द लाइटें लगाने का काम शुरू कराना चाहिए। लाइटें लगने से रात में भी सड़क पर उजाला रहेगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे सड़क हादसों में भी कमी आएगी।

- **संदीप यदु**, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत रायपुर

सामान्य सभा में मुद्दा उठने के बाद फंड जारी

बोरियाखुर्द से भरेंगाभाठा तक नई सड़क के बनने के बाद से इस मार्ग पर कई सड़क हादसे हो चुके हैं, जिसमें कई लोगों की मृत्यु तथा कईयों घायल भी हुए हैं। सड़क हादसों को लेकर कई बार इस मार्ग पर स्ट्रीट लाईट लगाने की स्थानीय लोग मांग भी कर चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी इस मार्ग पर स्ट्रीट लाईटे लगाने के लिए कोई पहल नहीं की गई। पिछले वर्ष 2025 में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में उपाध्यक्ष संदीप यदु ने इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया और सड़क हादसों ▶▶|शेष पेज 13 पर

पिछले साल की तुलना में इस बार डेढ़ गुना से अधिक मिला प्रदर्शन शुल्क

डिवाइडर और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए पोल से निगम को 8 करोड़ की कमाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ शहर में 5 प्राइम लोकेशन पर होर्डिंग्स लगाने डिमांड ज्यादा

शहर के प्रमुख मार्गों पर स्थित डिवाइडर और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए अलग-अलग तरह के विज्ञापन पोल से नगर निवेश विभाग को इस बार 8 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई प्रदर्शन शुल्क के रूप में हुई है। यह पिछले साल विज्ञापन एजेंसियों से मिले प्रदर्शन शुल्क की तुलना में डेढ़ गुना से भी ज्यादा है। शहर के पांच प्राइम लोकेशन ऐसे हैं, जहां होर्डिंग्स लगाने की डिमांड ज्यादा है। इनमें तेलीबांधा तालाब के पास मरीन ड्राइव वाला स्पेस, वीआईपी रोड में मेक इन इंडिया चौक, कटोरातालाब क्षेत्र में केनाल रोड और शंकर नगर मार्ग का भगतसिंह चौक शामिल है। रायपुर नगर निगम ने ऑनलाइन टेंडर कर शहर के अलग-अलग स्पॉट पर विज्ञापन एजेंसियों को उत्पाद का प्रचार-प्रसार करने और होर्डिंग्स लगाने डिवाइडर और सार्वजनिक स्थानों पर स्पेस उपलब्ध कराए हैं। निविदा के माध्यम से 5 साल के लिए अनुबंधित एजेसियां संबंधित स्थल पर स्मार्ट कियोस्क, पॉयलान, मिनी यूनीपोल और बड़ा यूनीपोल लगाकर प्रदर्शन कर सकती हैं। नगर निगम की ओर से उन्हें जगह उपलब्ध करायी गयी है। सार्वजनिक स्थानों और नगर निगम के डिवाइडरों पर लगाए गए अलग-अलग तरह के पोल से वर्ष 2025-26 में 8 करोड़ रुपए से अधिक राशि प्रदर्शन शुल्क के रूप में प्राप्त हुई है। अनुबंध के अनुसार प्रति वर्ष 5 फीसदी राशि प्रदर्शन शुल्क में बढ़ोतरी किया जाना अनुबंध की शर्त में शामिल है।

एक नजर शहर में लगाए गए विज्ञापन बोर्ड पर

डिजिटल कियोस्क	198
पॉयलान	72
मिनी यूनीपोल	100
बड़ा यूनीपोल	30
स्वागत द्वार	8

नगर निवेश विभाग ने ऑनलाइन टेंडर कर विज्ञापन एजेंसियों के साथ 5 साल के लिए किया अनुबंध

शास्त्री चौक पर स्कॉई वॉक की वजह से हटा रहे 2 बड़े यूनीपोल

राजधानी के प्रमुख व्यस्ततम इलाका शास्त्री चौक में नगर निगम ने 2 बड़े यूनीपोल लगाने विज्ञापन एजेंसियों को स्पेस उपलब्ध कराए थे, पर स्कॉईवॉक निर्माण के कारण 2 बड़े यूनीपोल को हटाना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक लोक निर्माण विभाग ने इस यूनीपोल का उपयोग करने में रुचि दिखाई है, ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है, नुकसान की भरपाई इससे हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में अब किसानों को खाद मिलेगी ई उर्वरक सिस्टम से, सोसाइटी में स्टॉक होगा तभी कटेगा टोकन

कैबिनेट की मंजूरी के बाद लागू होगा नया सिस्टम, कृषि वैज्ञानिकों ने बताया- किस फसल में कितनी खाद लगेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब जल्द ही किसानों को खाद वितरण के लिए एक नई व्यवस्था शुरू की जाने वाली है। यह ई उर्वरक सिस्टम कहा जाएगा। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें, तो इस सिस्टम को राज्य मंत्रि परिषद (कैबिनेट) की मंजूरी के बाद लागू किया जाएगा।

खास बात ये है कि अब किसानों को उनकी खेत में लगी फसल के आधार पर ही खाद दी जाएगी। यही नहीं, किसानों को उनके क्षेत्र की सोसाइटी से खाद के लिए टोकन हासिल करना होगा, टोकन भी तभी जारी होगा, जब संबंधित सोसाइटी में खाद उपलब्ध होगी। राज्य में खाद वितरण की यह नई व्यवस्था लागू होने से पहले अब तक ये होता रहा है कि किसान अपने क्षेत्र की सोसाइटी से जरुरत के मुताबिक खाद लेते रहे है। लेकिन अब इतनी आसानी से खाद नहीं मिलने वाली है। लेकिन व्यवस्था लागू होने के बाद

किसानों को खाद के लिए बार-बार सोसाइटी के चक्कर लगाने की जरुरत भी नहीं होगी। जब सोसाइटी में खाद उपलब्ध होगी तभी किसानों का टोकन कटेगा। टोकन के आधार पर किसानों को खाद मिल जाएगी। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि यह बदलाव इसलिए किया जा रहा है कि ताकि खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लगाया जा सके। वैज्ञानिकों की सलाह पर बन रहा है सिस्टमउच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार ई उर्वरक सिस्टम बनाने में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की बड़ी भूमिका है। वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर यह तय किया गया है कि कितने रकबे के लिए कौन सी खाद की जरुरत कितनी मात्रा में होगी। बताया गया है कि वैज्ञानिकों ने विभिन्न किस्म की फसलों के लिए नौ प्रकार के उर्वरक की डोजिंग तैयार की है। इसका मतलब ये है कि कौन सी फसल को कितने रकबे के लिए कितनी खाद की जरूरत होगी।

तीन पोर्टलों के जरिए होगा ये काम

बताया गया है कि ई उर्वरक सिस्टम लागू करने के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल, भुईयां और यूनिफाइड फार्मर पोर्टल का उपयोग किया जाएगा। इसमें किसानों की फार्मर आईडी देखी जाएगी, भुईयां पोर्टल से पता लगेगा कि किसान की जमीन कितनी है और युनिफाईड फार्मर पोर्टल से पता लगेगा कि किसान की जमीन पर कौन सी फसल लगी हुई है। इसी आधार पर यह तय होगा कि किसान को कौन सी खाद कितनी मात्र में दी जानी है। इस सिस्टम में शामिल होने के लिए किसानों को मोबाइल या एप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराना होगा। अब ये होगा कि सोसाइटी से कोई भी व्यक्ति अब पहले की तरह खाद नहीं ले पाएगा। उसे ई उर्वरक सिस्टम का हिस्सा बनना होगा।

खबर संक्षेप

ग्राम ताराशिव में लगा जनसमस्या निवारण शिविर

रायपुर। तिल्दा विकासखंड के ग्राम पंचायत ताराशिव में सुशासन तिहार के तहत जिला स्तरीय समाधान शिविर लगाया गया। इसमें विभिन्न विभागों के लगे स्टॉल में आम लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने बताया कि समाधान शिविरों के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस, जॉब कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं मौके पर ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। ऐसे शिविरों से लोगों को अपने क्षेत्र में ही समाधान मिल रहा है, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिस्वरंजन, एसडीएम तिल्दा आशुतोष देवांगन, जिला खाद्य नियंत्रक भूपेन्द्र मिश्रा, संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा डॉ. शंकरलाल उइके, सीईओ जनपद रवि कुमार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शराब दुकानों में अहाता के टेंडर निरस्त करने की मांग

रायपुर। शराब दुकानों में अहाता खोलने के लिए जारी किए गए टेंडर को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने शासन से की है। श्री अग्रवाल ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के भाठागांव की दोनों शराब दुकानों के साथ ही पुलिस लाइन चौराहे पर स्थित शराब दुकान और कटोरा तालाब चौराहे की शराब दुकान को बंद किया जाए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रदेश के आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन के कार्यालय में जाकर ज्ञापन भी दिया गया। ज्ञापन में अहाता, चखना सेंटरों को खोलने का विरोध दर्ज करते हुए वहां उत्पन्न होने वाली अवैधानिक गतिविधियों के साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में पुलिस विभाग द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई पर ध्यान आकृष्ट किया गया है। साथ ही इस संदर्भ में कई बार उपायुक्त आबकारी, जिला आबकारी अधिकारी, रायपुर कलेक्टर को ज्ञापन दिए जा चुके हैं। धरना प्रदर्शन सहित अन्य आंदोलन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शीघ्र निर्णय नहीं किया गया तो क्षेत्र के नागरिकों के साथ बड़े आंदोलन किया जाएगा।

गृह, पंचायत, खाद्य, आबकारी, नगरीय प्रशासन सहित कई विभागों की सचिव महिलाएं

33 जिलों में से 10 की कलेक्टर

छत्तीसगढ़ की नौकरशाही में महिला अफसरों का बोलबाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष घोषित किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह वर्ष महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके सम्मान, स्वाभिमान और राज्य के समग्र विकास में मातृशक्ति की भागीदारी को समर्पित किया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने बुधवार को 42 आईएएस अधिकारियों के तबादले में कई महिला अफसरों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। देखा जाए तो राज्य की नौकरशाही में महिला अफसरों का बोलबाला है। प्रशासनिक फेरबदल में 1997 बैच की आईएएस अधिकारी निहारिका बारिक को प्रमुख सचिव गृह बनाया गया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 25 सालों में कभी महिला गृह सचिव नहीं रही। पहला मौका होगा, जब सरकार ने गृह जैसे चुनौतीपूर्ण विभाग में किसी महिला आईएएस को सचिव बनाया है। नगरीय प्रशासन में भी पहली बार नारी शक्ति को प्राथमिकता दी गई। 2005 बैच की आईएएस अफसर शंगीता आर को नगरीय प्रशासन विभाग का सचिव बनाया गया है।

पंचायत में एसीएस ऋचा शर्मा

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में 94 बैच की आईएएस अधिकारी एसीएस ऋचा शर्मा की पोस्टिंग की गई है। ऋर्चा मुख्य सचिव विकास शील की बैचमेट हैं। पंचायत विभाग में हालांकि, इससे पहले निहारिका बारिक रहीं, मगर वे प्रमुख सचिव थीं।

राजस्व में शम्मी

राजस्व विभाग पूरे जमीनों का हिसाब किताब के साथ उसकी निगरानी की जिम्मेदारी इसी विभाग के पास होती है। तहसीलदार, पटवारी इसी विभाग के अंतगर्त आते हैं। आईएएस शम्मी आबिदी को राजस्व सचिव बनाया गया है।

रेणु पिल्ले कर्मचारी भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष

राज्य सरकार ने हाल में गठित कर्मचारी भर्ती बोर्ड की पहली अध्यक्ष की नियुक्ति में भी सरकार ने महिला को वरीयता दी। सरकार ने वरिष्ठ और सबसे ईमानदार, तेज-तर्रार महिला अफसर को इस कुर्सी पर बिठाया है। 1991 बैच की आईएएस रेणु पिल्ले ने अपना कार्यभार संभाल लिया है।

नगरीय प्रशासन में शंगीता

सरकार की छबि बनाने के मामले में नगरीय विकास काफी महत्वपूर्ण विभाग माना जाता है। शहरों की चाक-चौबंद व्यवस्था और उसकी चमक-धमक से सरकार की छबि निर्मित होती है। इस विभाग में अभी तक कोई महिला आईएएस सचिव नहीं रहीं। अब 2005 बैच की आईएएस शंगीता आर को नगरीय प्रशासन विभाग का सचिव बनाया है।

खाद्य और शराब में महिला

2003 बैच की आईएएस अधिकारी रीना बाबा कंगाले खाद्य विभाग की सचिव थी। उनके पास राजस्व भी था। सरकार ने राजस्व लेकर उन्हें आबकारी विभाग सौंप दिया है। उनके पास अब खाद्य और आबकारी दोनों होगा।

कलेक्टरों में भी नारी वंदन

राज्य सरकार ने कल सात जिलों के कलेक्टरों का तबादला किया, उनमें पांच महिलाओं को कलेक्टर की कुर्सी सौंपी। इनमें रेना जमील, चंदन त्रिपाठी, पुष्पा साहू, पदमिनी भोई, संतन देवी जांगड़े शामिल हैं। इनसे पहले पांच और महिलाएं विभिन्न जिलों में कलेक्टर हैं। छत्तीसगढ़ में इतनी महिलाएं कलेक्टर कभी नहीं रहीं। अभी तक का छह कलेक्टरों का रिकार्ड रहा है। मगर इस बार ये संख्या 10 पहुंच गई। 33 जिलों में से 10 में महिला कलेक्टर में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण हो गया।

इन जिलों में महिला कलेक्टर

प्रतिष्ठा ममगई-बेमेतरा, नुपूर राशि पन्ना-कोंडागांव, नम्रता जैन-नारायणपुर, रेना जमील-सूरजपुर, चंदन त्रिपाठी-बलरामपुर, तुलिका प्रजापति-मोहला-मानपुर-अंबागढ़, दिव्या मिश्रा-बालोद, पुष्पा साहू-कोरिया, संतन देवी जांगड़े-एमसीबी, पदमिनी भोई-सारंगढ़-बिलाईगढ़।

प्रशासनिक के बाद अब जल्द होगा पुलिस में बड़ा फेरबदल

- बदल जा सकते हैं जिलों में एसपी
- पांच माह पहले भी हुआ था फेरबदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल के बाद अब राज्य के पुलिस में एक बड़े बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही है। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो कई जिलों में पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों से लेकर रेंज आईडी, डीआईजी और मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ अफसरों की पोस्टिंग में बदलाव किया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार पुलिस में यह बदलाव राजधानी रायपुर में लागू पुलिस कमिश्नरी प्रणाली शामिल नहीं होगी। हालांकि इस प्रणाली का प्रभाव केवल रायपुर शहर के 21 थानों तक ही सीमित है। पिछले दिनों कमिश्नरी के अधिकारियों कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं। लेकिन इससे अलग अब राज्य के 33 जिलों में पदस्थ पुलिस अधीक्षकों, एएसपी व समकक्षों की पोस्टिंग में बदलाव हो सकता है। इसके साथ ही कुछ रेंज आईजी, डीआईजी, सशस्त्र बलों से लेकर पुलिस की विभिन्न शाखाओं, से लेकर मुख्यालय स्तर पर पदस्थ वरिष्ठ अधिकारियों की पोस्टिंग में बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही है।

जनवरी में हुआ था बड़ा फेरबदल

राज्य में अब से करीब पांच महीना पहले जनवरी में पुलिस की व्यवस्था में एक बड़ा फेरबदल हुआ था। इस समय रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू करते हुए संजीव शुक्ला को पहला पुलिस कमिश्नर बनाया गया था। इस बदलाव के साथ ही कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को कमिश्नरी में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर बनाया गया था। बदलाव के इस क्रम में कुल मिलाकर 15 आईपीएस प्रभावित हुए था। इनमें रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक समेत रेल पुलिस एसपी भी शामिल थे। इसी तरह दुर्ग और राजनांदगांव आईजी की पोस्टिंग भी बदली गई थी। कुछ अधिकारियों के कहना है कि आईजी की पोस्टिंग कुछ महीना पहले ही की गई है, इसलिए इसमें बदलाव की संभावना कम है। लेकिन जिलों में पुलिस अधीक्षकों का बदलाव अधिक संख्या में हो सकता है। इसी तरह शहरों में पदस्थ डीएसपी, सीएसपी स्तर के अधिकारियों के तबादले किए जा सकते हैं।

भाजपा बोली- बंगाल में शोषित वंचित और आदिवासी समाज अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह ने कहा, बंगाल की कुल 84 अजा/अजजा सीटों में से जनता ने भाजपा को 67 सीटों पर ऐतिहासिक जनादेश दिया है, जबकि सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस मात्र 17 सीटों पर सिमट कर रह गई है।

यह स्पष्ट संकेत है कि शोषित, वंचित और आदिवासी समाज अब तुष्टीकरण की राजनीति को छोड़कर विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुका है। भाजपा नेताओं ने कहा, बंगाल अजा/अजजा समुदाय ने कांग्रेस-टीएमसी सहित इंडी ठगबंधन के झूठे दावों को सिरे से नकारते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और विकासवाद पर अपनी मुहर लगा दी है। डॉ. जांगड़े ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने उन लोगों को विकास की अग्रिम पंक्ति में लाने का कार्य किया है, जो दशकों से पीछे छूट गए थे। आज एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग को समझ आ गया है कि उनका वास्तविक हित केवल भाजपा के साथ सुरक्षित है।

अजजा मोर्चा अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा, इंडी गठबंधन के पास न कोई नीति है और न ही नीयत। वे केवल भ्रम फैलाकर वोट बैंक की राजनीति करना चाहते थे, लेकिन बंगाल के इस स्पष्ट जनादेश ने साबित कर दिया है कि समाज के हर वर्ग की एकमात्र पसंद अब भाजपा है।

पश्चिम बंगाल में शपथ ग्रहण के कारण टली कार्यसमिति, सीएम साय समेत कई नेता जाएंगे

कई नेता आज ट्रेन से जाएंगे, कई विमान से भी जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन की प्रदेश कार्यसमिति को बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के कारण टाल दिया गया है। कार्यसमिति इसी माह किसी भी दिन होगी। बंगाल के शपथ ग्रहण में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव सहित कुछ मंत्री, बंगाल चुनाव में मोर्चा संभालने वाले प्रदेश के सभी भाजपा नेता जाएंगे। सभी को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रण मिला है। कई नेता शुक्रवार को ही ट्रेन से रवाना हो रहे हैं। कई नेता शाम को विमान से भी जाएंगे। करीब पौने दो साल बाद जाकर प्रदेश भाजपा

की कार्यसमिति 8 और 9 मई को तय की गई थी। इसको लेकर तैयारी भी चल रही थी, लेकिन बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के कारण अब वहां पर शनिवार को मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्रियों का शपथ ग्रहण होने वाला है। इसमें प्रदेश के कई नेता जाएंगे। ऐसे में कार्यसमिति को अभी टाल दिया गया है। जल्द ही इसके लिए नई तारीख तय की जाएगी।

अहम होगा राजनीतिक प्रस्ताव

कार्यसमिति में सबसे अहम राजनीतिक प्रस्ताव रहता है। इसमें राष्ट्रीय स्तर के साथ ही प्रदेश स्तर का राजनीतिक प्रस्ताव लाया जाता है। इस बार राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक प्रस्ताव में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पास न होने को लेकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर इस मामले में देश भर में निंदा प्रस्ताव लाया जा रहा है। इसी कड़ी में अब भाजपा के राज्यों में राज्य संगठनों में कार्यसमिति करके भी निंदा प्रस्ताव लाने की योजना है। यहां पर जब भी भाजपा की कार्यसमिति होगी तो इसमें राजनीतिक प्रस्ताव में नारी शक्ति वंदन को लेकर भी प्रस्ताव लाया जाएगा। राजनीतिक प्रस्ताव में राज्य स्तर पर प्रदेश सरकार के कामों को लेकर प्रशंसा भी होगी। इसी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार के कामों को लेकर भी प्रस्ताव लाया जाएगा।

जनगणना : मकानों में ताला लगा मिला तो भी सूचीकरण, महीनेभर जानकारी न मिली तो 'बंद घर' दर्ज होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में जनगणना का पहला चरण 1 मई से शुरू हो गया है। प्रगणक घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण कर 33 सवालों के जवाब ले रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच प्रगणक सुबह के समय घरों में दस्तक दे रहे हैं।

6 दिन में 3.50 लाख से अधिक लोगों की हुई जनगणना

जनगणना के मकान सूचीकरण के दौरान यदि कोई मकान बंद मिलता है, तो उसे 'बंद घर ' के रूप में ऐप में दर्ज किया जाता है। प्रगणक उस मकान पर ताला लगा होने की स्थिति में अन्य निवासियों या पड़ोसियों से जानकारी लेकर या बाद में पुनः आकर मोबाइल नंबर दर्ज करते हैं। जनगणना निदेशालय की निदेशक ने स्पष्ट किया है कि यदि गणना अवधि के दौरान किसी मकान पर ताला लगा मिलता है और पूरे एक महीने तक वहां कोई जानकारी देने वाला नहीं मिलता, तो उसे 'हाउस ऑफ यूज' कैटेगरी के तहत 'वैकेंट' और सब-कैटेगरी 'लॉक्ड' में दर्ज किया जाएगा। हालांकि ऐसे मकानों की भी नंबरिंग की जाएगी और संरचना का विवरण दर्ज होगा। प्रगणक ताला लगे घरों की सूची बनाएंगे, और बाद में निवासियों के वापस आने पर मोबाइल ऐप के जरिए 'डेटा अपडेट' विकल्प का उपयोग करके जानकारी अपडेट की जाएगी।

51 हजार से से अधिक प्रगणक

छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों में 1 मई से आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो गया है। जनगणना के के सफल संचालन हेतु राज्य में 51,300 प्रगणक एवं 9,000 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गये हैं, जो 30 मई तक घर-घर जाकर डेटा संकलन का कार्य कर रहे हैं।सभी जिलों को अलग-अलग ब्लॉकों में बांटकर गणना की जा रही है। प्रदेश में अब तक 3.50 लाख से अधिक घरों तक प्रगणक अब तक पहुंच चुके हैं। ये सारे आंकड़े प्रतिदिन शाम तक सिस्टम में दर्ज किए जाते हैं।

जिले में बनाए गए 3939 ब्लॉक

जिले में 1 मई से शुरू हुए घर-घर जनगणना के काम में 6 दिन में प्रगणक 60 हजार 341 से अधिक घरों तक पहुंच चुके हैं। 2 लाख 62 हजार से अधिक सदस्य इन घरों में निवासरत हैं। नक्शा बनाने के बाद प्रगणक घर-घर जाकर लोगों से 33 सवालों के जवाब ले रहे हैं। जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में 3939 ब्लॉक बनाए गए है। वहीं 2438 ब्लॉक में प्रगणक तेजी से कार्य कर रहे हैं, बाकी 1501 ब्लॉक प्रगति में हैं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर -19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 07.05.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंकित मित्तल पिता/पति नरेश मित्तल निवासी रायपुर की ग्राम कन्हेरा प.ह.नं. 27 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 233/1 रकबा 0.0850 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/ वाचक/ तह/ 2026 आदेश दिनांक 19.03.2026 के परिपालन में दिनांक 22.05.2026 को समय 12:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 27 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नही होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर -19, धनेली

छत्तीसगढ़ को केंद्र ने दिया खरीफ के लिए पिछले साल से अधिक का उर्वरक लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार ने खरीफ वर्ष 2026 के लिए पिछले साल से अधिक उर्वरक लक्ष्य दिया है। यही नहीं, पिछले साल की तुलना में 200 लाख मे. टन अधिक उर्वरक का भण्डारण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उर्वरकों का भण्डारण एवं वितरण सतत प्रकिया है। कृषकों द्वारा यूरिया का उठाव प्रतिवर्ष अप्रैल से लेकर सितंबर तक किया जाता है।

कृषि विभाग के मुताबिक भारत सरकार द्वारा खरीफ वर्ष 2026 के लिए 15 लाख 55 हजार में टन उर्वरक का लक्ष्य प्रदाय किया गया है, जो विगत वर्ष की खपत 14 लाख 62 हजार मे. टन से 93 हजार मे.टन अधिक है। 4 मई 2026 की स्थिति में खरीफ वर्ष 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्य यूरिया 7.25 लाख मे.टन के विरुद्ध 3.74 लाख मे.टन (52 प्रतिशत), डी.ए.पी. लक्ष्य 3.00 लाख मे.टन के विरुद्ध 1.16 लाख मे.टन (39 प्रतिशत). पोटाश लक्ष्य 80 हजार मे.टन के विरुद्ध 53 हजार मे.टन (66 प्रतिशत), एन.पी. के. लक्ष्य 2.50 लाख मे.टन के विरुद्ध 1.79 लाख मे.टन (72 प्रतिशत) एवं एस.एस.पी. लक्ष्य 2.00 लाख मे.टन के विरुद्ध 2.07 लाख मे. टन (104 प्रतिशत) इस प्रकार कुल 9.29 लाख मे.टन उर्वरक का भण्डारण किया गया है, जो कुल लक्ष्य का 60 प्रतिशत है।

अब तक 58 हजार टन का वितरण

बताया गया है कि 4 मई 2026 की स्थिति में 58 हजार मे.टन उर्वरक का वितरण किया गया है। विगत वर्ष इसी अवधि में कुल 7.28 लाख मे.टन उर्वरक का भण्डारण था। इस प्रकार विगत वर्ष की तुलना में 200 लाख मे.टन अधिक उर्वरक का भण्डारण किया जा चुका है। यहां पर यह उल्लेखनीय है कि एवं उर्वरकों का भण्डारण एवं वितरण सतत प्रकिया है। कृषकों द्वारा यूरिया का उठाव प्रतिवर्ष माह अप्रैल से लेकर सितंबर तक किया जाता है। अत इसी प्रकार फॉफेटिक एवं पोटाश उर्वरक कर उठाव अप्रैल से लेकर जुलाई माह तक किया जाता है।

प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को बड़ी राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के जनहितैषी निर्देशों के तहत जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा ने प्राकृतिक आपदा के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ति परिवारों को संबल प्रदान किया है। कलेक्टर ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत दो मृतकों के परिजनों के लिए कुल 8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सहायता राशि मुख्य रूप से भाटापारा तहसील के दो अलग-अलग मामलों के लिए प्रदान की गई है। सर्पदंश मामले में ग्राम बिटकुली निवासी रूपाबाई ध्रुव पति स्व. विष्णु उर्फ मिथुन ध्रुव के परिवार को सहायता स्वीकृत की गई है।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

तूफान व बारिश से उड़े छप्पर व पेड़ धराशायी

तरपोंगी। तरपोंगी अंचल में बुधवार को शाम 7 बजे तेज आंधी तूफान के साथ जोरदार बारिस हुई। जिससे पुरे क्षेत्र में जन जीवन अस्त ब्यस्त हो गया था। अनेको पेड़ धरासाही हो गया है। कई घरो के छप्पर उड़ गया। ग्राम बलौदी खुर्द के मनहरण निषाद, जीवराखन निषाद, गौतरिहा यादव का घर आंधी तूफान से तहस नहस हो गया है जिससे काफी नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा ने प्रभावितो के घर पहुंच कर उनका हाल चाल जाना। उन्होंने फोन पर विद्युत विभाग व पटवारी को नुकसान की जानकारी दी त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्युत विभाग ने विद्युत कनेक्शन अलग किया। पटवारी प्रभावित गांव पहुंचकर स्थल का मुआयना कर आगे की कार्रवाई कर रहे हैं।कही से भी अप्रिय घटना के समाचार नही मिले है।

ग्राम सकरी में लो वोल्टेज से बढ़ी परेशान, सौंपा ज्ञापन

चंदखुरी। आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सकरी (जावा) में विगत कई महीनों से लो वोल्टेज और बिजली कटौती की समस्या ने ग्रामीणों का जीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। गर्मी के मौसम में शाम ढलते ही घरों में सबमर्सिबल पंप नहीं चल पा रहे हैं और रात में कूलर-पंखे भी ठीक से नहीं चल रहे हैं, जिससे बच्चे, बुजुर्ग और युवा गर्मी से बेहाल हैं। ग्रामीणों के अनुसार, स्वास्थ्य केंद्र के समीप लगे 40 केवीए ट्रांसफार्मर की क्षमता अपर्याप्त होने के कारण पूरे गांव की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। दिन भर खेतों में मेहनत करके लौटने वाले किसान और मजदूर रात को भी आराम नहीं कर पा रहे हैं। वोल्टेज बार-बार ऊपर-नीचे होने से बिजली की स्थिति बस से भी बदतर हो गई है। इस समस्या को लेकर गांव के समाजसेवी डागेश यादव ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को लिखित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चंदखुरी मंदिर हसौद स्थित विद्युत विभाग के खनिज अभियंता साहब को समस्या से अवगत कराते हुए तत्काल 40 केवीए ट्रांसफार्मर की जगह 100 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। डागेश यादव समाज सेवी ने विद्युत विभाग से मांग की है कि गर्मी के इस प्रचंड मौसम में उनकी इस गंभीर समस्या का तुरंत समाधान किया जाए, ताकि रोजमर्रा की जिंदगी और खेती-किसानी पर पड़ रहे संकट को कम किया जा सके।

ब्रह्माकुमारीज के समर कैंप में बच्चों को मिल रही जीवन मूल्यों की सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

ब्रह्माकुमारीज तिल्दा द्वारा आयोजित समर कैंप में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिदिन नई-नई गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। कैंप के पाँचवें दिन बच्चों को कर्म और भाग्य के गहरे संबंध की जानकारी दी गई, वहीं दूसरी ओर "मास्टर शेफ" प्रतियोगिता के माध्यम से उनकी रचनात्मकता और पाक कला को मंच मिला।

प्रथम सत्र में प्रियंका दीदी ने बच्चों को कर्मों की गहन गति को सरल और रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि हमारे हर कर्म की प्रतिक्रिया अवश्य होती है और मन में आने वाले विचार भी कर्म का ही रूप हैं। उन्होंने बच्चों को अकर्म, विकर्म और सत्कर्म के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा बीज बोया जाएगा, वैसा ही फल प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि जीवन में घटित होने वाली हर अच्छी और बुरी घटना हमारे पूर्व कर्मों का परिणाम होती है, जिसे हम भाग्य कहते हैं। भाग्य कोई बाहर से लिखी हुई चीज नहीं, बल्कि हमारे स्वयं के कर्मों से निर्मित होता है। दूसरे सत्र में बच्चों के लिए "मास्टर शेफ" ग्रुप प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि बच्चों को फायरलेस कुकिंग करनी थी और साथ में विशेष ड्रिंक भी तैयार करना था। बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ आकर्षक और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए।

मास्टर शेफ प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता और पाक कला का हुनर

व्यंजनों के स्टाल सजे

प्रतियोगिता में बच्चों ने ओरेओ ट्रफल्स, कर्ड सैंडविच, सालसा, भेल, ककड़ी पंच और लेज चाट जैसे व्यंजन बनाए। वहीं लेमन मोजिटो, लस्सी, पनाक्कम और कोल्ड कॉफी जैसी विभिन्न ड्रिंक्स भी प्रस्तुत की गईं। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में "यू एंड मी कैफे" के संचालक भ्राता उमेश धुरंधर उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों द्वारा तैयार व्यंजनों के स्वाद, प्रस्तुति और रचनात्मकता के आधार पर अंक प्रदान किए। समर कैंप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा 10 मई को होने वाले समापन समारोह में की जाएगी, जहां विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

विरोध : जनसुनवाई में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, महिलाओं ने संभाला मोर्चा

घुलघुल में प्रस्तावित स्पंज पावर कंपनी की जनसुनवाई का एकतरफा विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

तिल्दा नेवरा -रायपुर जिले के तिल्दा नेवरा तहसील के ग्राम देवरी-घुलघुल में प्रस्तावित अग्रसेन स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड के लिए पर्यावरण को लेकर आयोजित जनसुनवाई का ग्रामीणों ने एकजुट होकर जमकर विरोध किया। जनसुनवाई में गांव के 1000 से भी अधिक लोगों ने पावर प्लांट नहीं खुलने देने की बात कही ।सबसे बड़ी बात यह है की जनसुनवाई थी किसी व्यक्ति ने स्पंज एवं पावर खुलने के पक्ष में नहीं बोला। इतना ही नही आसपास से लगे आधा दर्जन ग्राम पंचायतो के सरपंचो पचो ने भी ग्रामीणों के समर्थन में आकर प्रस्तावित सयंत्र का विरोध किया ।

बता दे की तिल्दा के देवरी घुलघुल स्पंज पावर के द्वारा पहले भी दो बार पर्यावरण जनसुनवाई के लिए तारीख तय की गई थी। लेकिन ग्रामीणों के विरोध के चलते सुनवाई रद्द कर दी गई थी .। हालांकि पावर प्लांट खुलने के लिए किसी गांव के व्यक्ति ने जमीन नही बेची है। बताया जाता है कि गाव की जिस जमीन पर स्पंज एवं पावर लगाया जाना प्रस्तावित है उस जमीन पर 60 सालो से दोनों गावो के मवेशी चरते है बावजूद शासन द्वारा उस जमीन को प्रस्तावित अग्रसेन स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड को दे दी और जब इसकी जानकारी गाव वालो को हुई तो उसी दिन से विरोध शुरू हो गया.और गांव में पावर प्लांट नहीं खुलने को लेकर सभी ग्रामीण एक हो गए। साथ ही गांव से लगे ग्राम पंचायतों के सरपंच और पच विरोध में आ गए ।,विरोध को देखते हुए कंपनी मैनेजमेंट ने तथाकथित कुछ नेताओं से संपर्क किया और उन्हीं के कहने पर जल्दबाजी में जनसुनवाई की तारीख मुकर्रर करा दी। बाद में जनसुनवाई की तारीख पे तारीख बधाई गई । इस बीच ग्राम पंचायत देवरी के महिला सरपंच के द्वारा सचिव से मिलकर पंचायत की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया लेकिन ग्राम सभा में उसका अनुमोदन नहीं कराया गया। जिसके बाद से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और खुलकर पावर प्लांट खुलने का विरोध करना शुरू कर दिया ।

ग्रामीणों ने की नारे बाजी

गुरुवार को जब जनसुनवाई शुरू हुई तो ग्रामीणों ने बाहरी नेताओं को पंडाल में घुसने नहीं दिया। गांव के लोग परिवार के साथ सुबह से ही पंडाल में आ गए थे। विरोध करने आए ग्रामीणों की संख्या इतनी ज्यादा थी की पंडाल छोटा पड़ गया। साढ़े 10 बजे जनसुनवाई करने पहुंचे पर्यावरण के अधिकारियों ने बताया कि यह पावर प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित है। अधिकारियों ने जैसे ही जानकारी देना शुरू किया ग्रामीणों ने नारेबाजी शुरू कर दी। आज बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। एडिशनल एसपी डीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी सहित आसपास थाने के टीआई और अधिकारियों के साथ पुलिस बल को बुला लिया गया था। कड़ी सुरक्षा के बीच ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी और पावर प्लांट खुलने का खुलकर विरोध किया। और ग्रामीण महिला पुरुषो ने अधिकारियों के सामने सयंत्र खुलने का विरोध करते हुए बोलना शुरू कर दिया औरजनसुनवाई में शामिल अधिकारियों को आवेदन भी सौपा।

निस्तारी तालाब भरने के बाद व्यर्थ बहते पानी को रोकें : धनेंद्र

अभनपुर/आरंग। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने प्रेस विज्ञप्ति के मध्याम से कहा इस वर्ष मौसम विभाग के द्वारा जो अनुमान लगाया गया है और इस बात का संदेश व्यक्त किया गया है कि इस साल देश में मानसून का दबाव सामान्य से कम होने की संभावना है जिससे बरसात कम हो सकती है। इसे देखते हुए शासन को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के विभिन्न जलाशयों से गांवों के निस्तारी तालाबों को भरने के लिए नहर से छोड़े गए पानी को तालाब भरने के बाद व्यर्थ बहने से रोका जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में प्रदेश के प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण की स्थिति संतोषजनक है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार मिनीमाता बांगो, कोरबा में 59.09 प्रतिशत, रविशंकर सागर, धमतरी में 64.39 प्रतिशत, तांदुला जलाशय, बालोद में 49.75 प्रतिशत, दुधावा जलाशय, कांकेर में 81.58 प्रतिशत, सिकासार बांध, गरियाबंद में 51.27 प्रतिशत, खारंग जलाशय, बिलासपुर में 80.72 प्रतिशत, सौंदूर जलाशय, धमतरी में 66.77 प्रतिशत, मुरुमसिल्ली, धमतरी में 84.75 प्रतिशत, कोडार जलाशय, महासमुंद में 24.66 प्रतिशत, मनियारी जलाशय, मुंगेली में 84.81 प्रतिशत, केलो जलाशय, रायगढ़ में 40.45 प्रतिशत तथा अरपा भैंसाझार, बिलासपुर में 50.71 प्रतिशत जल उपलब्ध है। श्री साहू ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष मानसून कमजोर रहने की आशंका जताई गई है। यदि समय रहते जल संरक्षण की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले समय में किसानों की खरीब फसलों, ग्रामीण क्षेत्रों की निस्तारी व्यवस्था तथा पेयजल उपलब्धता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के कई छोटे जलाशयों जैसे कुम्हारी, पंखुड़ी एवं मदन जलाशयों में जल स्तर केवल 3 से 10 प्रतिशत के बीच रह गया है, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। वहीं गंगरेल जैसे बड़े जलाशय में भी जल स्तर निस्तारी तालाबों को भरे जाने के बाद, व्यर्थ में पानी बहने से कम होती जा रही है। ऐसी स्थिति में जल का अनावश्यक बहाव भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। धनेंद्र साहू ने मुख्यमंत्री एवं जल संसाधन विभाग, से मांग की है कि निस्तारी तालाब भरने के बाद नहर से बहते हुए अतिरिक्त पानी की बर्बादी को तत्काल रोका जाए।

राधा कृष्ण विद्यालय का बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

आरंग। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में राधा कृष्ण विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय आरंग के विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से बोर्ड कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष कक्षा 5वीं (हिंदी माध्यम) में 18 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, जिनमें से 17 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें हर्ष कुमार साहू 92%, मानसी लोधी 85.50%, धर्मेश निषाद 85%, अता कौशर 82%, गजेंद्र निषाद 84%, मीनाक्षी जलछत्री 80.50%, मोनिका निषाद 84% एवं यश कुमार सेन 83% अंक प्राप्त कर 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए। एवं 5वीं (अंग्रेजी माध्यम) में 08 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, जिनमें से सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें प्रतीक्षा पाल ने 91%, दुर्गेश्वरी लोधी 86.50% एवं आदित्य सोनकर 86% अंक अर्जित किए। कक्षा 8वीं में कुल 18 विद्यार्थी अध्ययनरत थे, जिनमें से 17 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें इशिका सोनी 85.17%, पूर्णिमा निषाद 76.50%, भूमिका साहू 76%, रोचक लोधी 76% एवं पीयूष लोधी ने 75.17% अंक प्राप्त किए। कक्षा 10वीं में 14 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें ज्योति कोसले 81%, कामिनी लोधी 79.17%, सपना कुमारी 76.84%, सावित्री लोधी 76.16%, गोल्डी साहू 74.17%, नम्रता साहू 70.84%, नम्रता लोधी 69.17%, वंदना साहू 68.5%, कंचन लोधी 63%, चंद्रकांता निषाद 65%, त्रिवेणी लोधी 61.5%, इशू 61.34%, आशीष साहू 61.33% एवं जस्मीन साहू 60.5% अंक अर्जित किए। कक्षा 12वीं में प्रथम श्रेणी से (विज्ञान संकाय) जानवी कोसले 85.4%, महिमा तंबोली 84.6%, खुशबू यादव 82.2%, नीलम यादव 74.6%, काशिफा अंजुम 65.8%, प्राची बघेल 62.8%, सुप्रिया लोधी 62.6% एवं मो. हमीद भाटी 68.5% अंक प्राप्त किए। वहीं (वाणिज्य संकाय) से मुस्कान साहू 75.6%, नैना लोधी 62% एवं मनीष साहू 62% अंक अर्जित किए। इन सभी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। श्री राधा कृष्ण मंदिर के सर्वराकार सावन शुक्ला, समिति के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता, सचिव ब्रजेश कुमार सोनी एवं समस्त सदस्यगण तथा प्राचार्या निशा श्रीवास्तव ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि निरंतर परिश्रम एवं प्रयास का परिणाम है। बोर्ड परीक्षा में शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय की प्राचार्या एवं समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेधावी छात्रा मानसी टंडन का किया मिवान स्टील ने सम्मान

मंदिर हसौद। मिवानी स्टील प्लांट द्वारा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा मानसी टंडन को सम्मानित किया गया। सुश्री मानसी टंडन 96.4% अंक प्राप्त कर राज्य की टॉप 10 मेरिट सूची में अपना स्थान सुनिश्चित किया। वही मानसी की पारिवारिक पृष्ठभूमि अत्यंत साधारण। वह एकल अभिभावक के संरक्षण में अपने चार बहनों के साथ निवास करती है तथा उसके पिता का निधन हो चुका है। वे रायपुर के मंदिर हसौद नगर पालिका क्षेत्र की निवासी हैं । जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसकी इस उपलब्धि समाज के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। सुश्री मानसी टंडन ने अपने भविष्य में बी काम की पढ़ाई करने तथा उसके पश्चात चार्टर्ड अकाउंटेंट की शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की है।

मीवान स्टील लिमिटेड के प्रबंधक द्वारा उन्हें बधाई संदेश उपहार एवं आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कंपनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी महापात्र ने उन्हें इस सफलता के लिए बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा आश्वासन दिया की कंपनी समय-समय पर उसके शैक्षणिक उन्नति में सहयोग करती रहेगी। समारोह में कंपनी की ओर से बी महापात्र मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी बी बेहरा महेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं व्यक्त किया।

पेज 11 के शेष...

ढाई साल से टंकी सूखी...

को पानी नहीं मिल पा रहा है। हालात यह हैं कि ग्राम पंचायत सहित कई ग्रामीण अब पानी की समस्या को दूर करने के लिए नहरों एवं तालाबों से टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाकर कुओं में डलवा रहे हैं, ताकि गांव और ग्रामीणों को पानी मिल सके। हरिभूमि ने गुरुवार को इस गांव की पड़ताल की। इस दौरान पता चला कि गांव में पानी की गंभीर समस्या है। इसके बावजूद इस गांव में पानी की समस्या खत्म करने के लिए जिला पंचायत एवं प्रशासन द्वारा अब तक कोई पहल नहीं की गई है।

पीने का पानी नहीं, 5 हजार लीटर की...

के लिए इस बोर में 5 हजार लीटर की एक टंकी का निर्माण करा रहे हैं। इस टंकी में पंप और 7-8 नल की टोटी लगाई जाएगी। यह काम आज-कल में पूरा हो जाएगा। इसके बाद बटन ऑन करते ही बोर का पानी टंकी में भरेगा, जिसके बाद लोग टोटियों से पीने का पानी ले सकेंगे।

गांव में 5 सार्वजनिक कुंए...

डलवाया जा रहा हैं, ताकि इस भीषण गर्मी में लोगों को पर्याप्त पानी मिल सके। सरपंच ने बताया कि उनके गांव में जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने का कार्य तथा टंकी का निर्माण भी ढाई साल पूर्व हो चुका है, लेकिन अभी भी टंकी से पाइप लाइन कनेक्शन जोड़ा नहीं है, वहीं लगभग 40 प्रतिशत घरों में अभी भी नल कनेक्शन का कार्य अधूरा है। इस कारण से इस योजना के तहत भी गांव में पानी मिलना शुरू नहीं हुआ है।

कई ग्रामीण भी...

से एक हजार रुपए तक राशि भी खर्च करनी पड़ रही है। गांव के निवासी रमेश चंद्राकर ने बताया कि उसका कुंआ सूख चुका है, इसलिए उसे भी टैंकर मंगाना पड़ता है। गांव में इसके अलावा अन्य कई लोग है, जो राशि खर्च कर पानी टैंकर मंगा रहे हैं।

कैसे सुधरेगा शहर, सड़कों के बड़ी...

के ऐसे सात मार्गों के निर्माण और चौड़ीकरण करने के लिए 127 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान रखा है। मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत इसमें काम होना है। इससे आने वाले दिनों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा, साथ ही वैकल्पिक मार्ग विकसित होंगे। यही नहीं प्रमुख इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। जिन क्षेत्रों में यह काम होना है, वहां बीते कुछ वर्षो से तेजी से आबादी बड़ी है और यातायात पर दबाव बढ़ा है, जिससे आवाजाही प्रभावित हो रही है।

तात्यापारा से शारदा ...

परियोजना के जद में करीबन 102 मकान व दुकान आ रही हैं। मुआवजा राशि के लिए 122 करोड़ का अनुमान लगाया गया था। लेकिन नई गाइड लाइन दरों के कारण यह लागत और बढ़ सकती है। कुल मिलाकर ट्रैफिक जाम की समस्या जस की तस बनी हुई।

मनुवास रियलिटी से महादेवघाट तक...

मार्ग के लिए किया गया है। इससे रायपुरा से महादेवघाट मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और वैकल्पिक मार्ग लोगों को उपलब्ध होगा।

केनाल रोड 2.0...

हाल ही में महापौर मीनल चौबे से मिलकर अपनी समस्या रखी थी। नगर निगम ने इसका डीपीआर बनाकर राज्य शासन को भेजा है। केनाल रोड 2.0 बनने से नेशनल हाइवे 53 पर ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, साथ ही यह मार्ग नई कनेक्टीविटी प्रदान करेगा।

फुंडहर और सूरजनगर...

फुंडहर और सूरज नगर की सड़कों की चौड़ाई पहले ही पर्याप्त है। नगर उत्थान योजना 2026-27 में यहां सड़क चौड़ीकरण का कार्य कराया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण जमीन अधिग्रहण का मुद्दा आ रहा है। लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के पार्षद रेणु जयंत साहू ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण में लोगों के निजी मकान, खाली प्लॉट, सरकारी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और सामुदायिक भवन के अलावा, मंदिर भी आ रहा है। 130 लोगों को निगम जोन 9 ने नोटिस जारी किया है। 20 करोड़ रुपए का सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रावधान है।

4 डिग्री तक चढ़ेगा पारा अंधड़...

गुरुवार को प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई। चरमा में सर्वाधिक 3 सेमी तथा गरियाबंद में 1 सेमी बारिश दर्ज हुई।रायपुर में भी दोपहर बाद हल्के बादल छाए रहे। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41 डिग्री राजनांदगांव में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री पेंड्रा रोड में दर्ज किया गया। रायपुर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम 39.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से लगभग 2 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री कम 24.4 डिग्री दर्ज हुआ।

वज्रपात की चेतावनी...

एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है। रायपुर में भी आज आकाश आंशिक मेघमय रहेगा। देर शाम वर्षा या गरज-चमक या अंधड़ चलने की संभावना है। कुछ स्थानों के लिए वज्रपात की आशंका भी प्रकट की गई है। आने वाले दिनों में तापमान में क्रमिक वृद्धि के बाद गर्मी का अहसास लोगों को होगा। फिर से पूरे दिन एसी-कूलर चलाने की स्थिति निर्मित हो सकती है।

8 साल बाद बजट को स्वीकृति, फंड जारी...

महीने हो चुके हैं, लेकिन स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए अब तक टेंडर निकाला नहीं गया है। इधर स्ट्रीट लाइटें नहीं लगने से इस मार्ग पर हर रोज रात में सड़क हादसे की संभावना भी बनी हुई है।

सामान्य सभा में...

पर चिंता जताते हुए जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइटें लगाए जाने की मांग रखी। उपाध्यक्ष की चिंता और मांग के बाद अब इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए फरवरी 2026 में बजट को न केवल स्वीकृति दी, बल्कि फंड भी जारी कर दिया है। विभाग को अब सिर्फ टेंडर प्रक्रिया करके स्ट्रीट लाईटे लगाने का कार्य एजेंसी को सौंपना है। सूत्रों से पता चला कि विभाग टेंडर की प्रक्रिया ही शुरू नहीं कर पाया है। इधर विभाग की लापरवाही से स्ट्रीट लाईटे लगाने का काम फंड जारी होने के बाद भी अटका हुआ है।

आवास सह रोजगार दिवस कार्यक्रम में उत्सवी माहौल रहा

ग्राम गोढ़ी के आवास दिवस कार्यक्रम में हितग्राहियों को सौंपी आवासों की चाबी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति दी जा रही है। इसी कड़ी में धरसीवां जनपद के ग्राम पंचायत गोढ़ी में मंगलवार को 'आवास सह रोजगार दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन शामिल हुए, जहाँ उन्होंने न केवल ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से अवगत कराया, बल्कि जल संरक्षण की दिशा में सामुदायिक भागीदारी का आह्वान भी किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री बिश्वरंजन ने हितग्राहियों को निर्माण प्रक्रिया, किश्तों के भुगतान और 90 दिवस की मजदूरी के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। आवास दिवस के विशेष अवसर पर उन्होंने श्रीमती अनीता वर्मा, श्रीमती सुनीता बाई, श्रीमती रंजीता वर्मा, श्रीमती कविता और श्रीमती दुलारी जैसे हितग्राहियों को उनके सपनों के घर की प्रतीकात्मक चाबियाँ सौंपी। चाबियाँ पाकर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम के बाद सीईओ ने स्वयं गांव में चल रहे आवास निर्माण और सोखता गड्ढा निर्माण कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया।

इसी प्रवास के दौरान प्रशासनिक सजगता का उदाहरण देते हुए जिला पंचायत सीईओ ने राशन वितरण में अनियमितता की शिकायत मिलने पर तत्काल पीडीएस दुकान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने राशन दुकान संचालक को कड़ी फटकार लगाते हुए व्यवस्थाओं में सुधार करने और पारदर्शी तरीके से वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सरपंच राम खिलावन कनौजे, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती और जनपद सीईओ आशीष केशरवानी सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जल संरक्षण पर दिया जोर

सीईओ श्री बिश्वरंजन ने जल संकट की भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए ग्रामीणों से अपील की कि वे जल संरक्षण को एक अभियान के रूप में लें और जनभागीदारी के माध्यम से हर घर में सोखता गड्ढा बनवाएं। उन्होंने /"नवा तरिया आय के जरिया/" पहल की सराहना करते हुए कहा कि नए तालाबों के निर्माण से जल संचयन के साथ-साथ महिलाओं की आय में भी वृद्धि होगी। ग्रामीणों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए ग्राम पंचायतों में लगे क्यूआर कोड का उपयोग करने और वीबी जीरामजी अभियान से जुड़ने हेतु युवाओं को प्रोत्साहित किया गया।

खबर संक्षेप

संकटमोचन हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना

रायपुर। श्री संकटमोचन वीर हनुमान मंदिर बुढ़ेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। साथ ही सुंदरकांड पाठ, भजन का आयोजन भी रखा गया। इसके बाद ब्राह्मण भोज प्रसादी वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह कार्यक्रम इंद्राणी राजेश शर्मा के विवाह की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के सेवकों, मंदिर के सदस्य और पुजारी राजेश तिवारी, अनिल अग्रवाल, कामेश तिवारी, प्रशांत पांडे, भानु पांडे, आनंद शर्मा, चंद्रप्रकाश वर्मा, सूरज यादव, आदि शर्मा, मदन मोहन चौबे, नवीन शर्मा आदि का सहयोग रहा।

बच्चों को मिली यातायात के नियमों की जानकारी

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-20 के शांति शिखर में आयोजित समर कैंप में बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए यातायात प्रशिक्षक टीके भोई ने कहा कि हमें यातायात के सारे नियमों का पालन जरूर करना चाहिए् क्योंकि यह हमारी ही जीवनरक्षा के लिए बनाए गए हैं। कभी भी शार्टकट के चक्कर में अपनी जान को जोखिम में नहीं डालना चाहिए। उन्होंने बताया कि हमारे देश में लोगों की मृत्यु का पांचवा सबसे बड़ा कारण सड़क दुर्घटना है। मरने वालों में अस्सी प्रतिशत संख्या युवाओं की होती है, जो कि देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि रायपुर में हर महीने हजारों की संख्या में नई गाड़ियां पंजीकृत होती हैं, किंतु सड़कों की संख्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। अगर यही हाल रहा तो कुछ दिनों में सड़कों पर चलने के लिए जगह नहीं बचेगी। उन्होंने बताया कि ज्यादातर दुर्घटनाएं चालक की लापरवाही से होती हैं। यदि चालक अच्छा हो और वह यातायात नियमों का पालन करता हो तो दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए हमें यातायात संकेतों का भी ज्ञान होना जरूरी है।

मुनेश्वर बने प्रदेश कुनबी समाज के प्रदेशाध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष का चुनावी की घोषणा 12 अप्रैल को निर्वाचन प्रक्रिया का पालन करते हुए की गई। अध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया के तहत 4 मई को शाम 5 बजे तक प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए थे। 3 मई को पूर्व अध्यक्ष रंजीत भाऊ मुनेश्वर ने अपना नामांकन पत्र, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रदेश संरक्षक एसएस ब्राम्हणकर एवं सहायक अधिकारी जेएन गोंधुले, एलएन गोंधुले के पास प्रक्रिया पूर्ण करते हुए प्रदेश कार्यालय में जमा किया। 5 मई को नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख तक केवल एक ही नामांकन पत्र के चलते रंजीत भाऊ मुनेश्वर को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

खरोरा लूट में इस्तेमाल बाइक चोरी की, एक माह पूर्व थाने में दर्ज हुई है रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खरोरा थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व मंगलवार को सराफा कारोबारी के सिर पर लाठी से हमला कर लाखों रुपए के जेवर लूट के मामले को पुलिस ने करीब-करीब सुलझा लिया है। लूट की घटना के साथ लूट का माल खरीदने वाले 8 से 10 संदेहियों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हिरासत में लिए गए संदेहियों में तीन के लूट का मास्टर माइंड होने की आशंका है। पुलिस कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम तथा खरोरा पुलिस की संयुक्त टीम लूट के प्रकरण को सुलझाने में जुटी हुई है। पड़ताल के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि मोहदी गांव के पास एक खेत में लावारिश हालत में बाइक मिली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बारीकी से पड़ताल की, तो जहां बाइक मिली है, उसके आसपास जेवर के खाली डिब्बे पुलिस को मिले। इससे पुलिस ने सहज ही अंदाजा लगा लिया कि जो बाइक लवारिश हालत में मिली है, बदमाशों ने लूट के लिए उसी बाइक का इस्तेमाल किया है।

हरिभूमि फॉलोअप

उठाए गए संदिग्धों में लूट का माल खरीदने वालों से लेकर तीन के मास्टर माइंड होने का संदेह

प्लान करने के बाद लूट की योजना

सूत्रों के मुताबिक तीन संदिग्धों ने लूट की योजना बनाई थी। जिन बदमाशों ने लूट की योजना बनाई थी, उनका पूर्व में आपराधिक रिकार्ड होने की जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक लूट के बाद पुलिस उन्हें ट्रेस नहीं कर पाए, इसके लिए बदमाशों ने अपने एक साथी के माध्यम से बाइक चोरी करवाई। इसके बाद बदमाशों ने कारोबारी तथा उनके यहां काम करने वाले कर्मचारियों की निगरानी की। इसके बाद मौका देख बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। कारोबारी के मैनेजर से लूट का पुलिस एक दो दिन में खुलासा कर सकती है।

चोरी की बाइक में लूट

बदमाशों ने लूट के लिए जिस बाइक का इस्तेमाल किया है, उस बाइक के बारे में जानकारी जुटाई, तो बाइक चोरी की निकली। खरोरा थाना में एक माह पहले उस बाइक के मालिक ने थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद पहले लूट की गुत्थी सुलझाने बाइक चोरी करने वाले के बारे में जानकारी जुटाई। बाइक चोर की जानकारी मिलने पर पुलिस ने बाइक चोर को हिरासत में लिया। बाइक चोर के बयान के आधार पर पुलिस ने अन्य लोगों को हिरासत में लिया है।

सैकड़ों ट्रांसफार्मर और खंभों के तार घिरे हैं पेड़ों से

बिजली के तारों पर लटके पेड़, आपदा में बढ़ाते हैं आफत, काटने के लिए अलग से न फंड, न स्टॉफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में ही बिजली के तारों पर सैकड़ों की संख्या में हर क्षेत्र में पेड़ लटके हुए हैं। थोक में ट्रांसफार्मर और खंभों के तारों पर पेड़ों की बड़ी-बड़ी डालियां लटकी हुई हैं। कई सब स्टेशनों में भी पेड़ों का जाल बिछा हुआ है। यही स्थिति पूरे प्रदेश की है। सबसे बड़ी बात यह है कि मेंटेनेंस के नाम पर पॉवर कंपनी महज खानापूर्ति करने के कुछ नहीं कर पाती। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि पॉवर कंपनी के पास इसके लिए न तो अलग से फंड है और न ही कोई अलग से स्टाफ है।

आंधी-तूफान की आफत में इससे निपटने के लिए साधनों की भी भारी कमी है। राजधानी रायपुर में सर्किल एक और दो में एक-एक क्रेन है। यह आपदा के समय के लिए नाकाफी हैं। ऐसे समय में उधार के संसाधनों के भरोसे काम चलाना पड़ता है। आंधी-तूफान की आपदा के समय में बिजली व्यवस्था को बाधित करने का सबसे बड़ा काम तारों पर गिरने वाले पेड़ और फ्लैक्स करते हैं। फ्लेक्स का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता है, लेकिन पेड़ों के गिरने से ज्यादा परेशानी होती है। मई का माह आमतौर पर आंघी तूफान का रहता है। कुछ दिनों से लगातार आंधी-तूफान और बारिश हो रही है। इसके कारण लगातार बिजली गुल हो रही है। हालांकि अभी बड़ी आपदा नहीं आई है। लेकिन कभी भी बड़ी आपदा आ सकती है। बीते साल मई में प्रदेश भर में एक ही दिन में हजार से ज्यादा पेड़ बिजली के तारों पर गिरे थे।

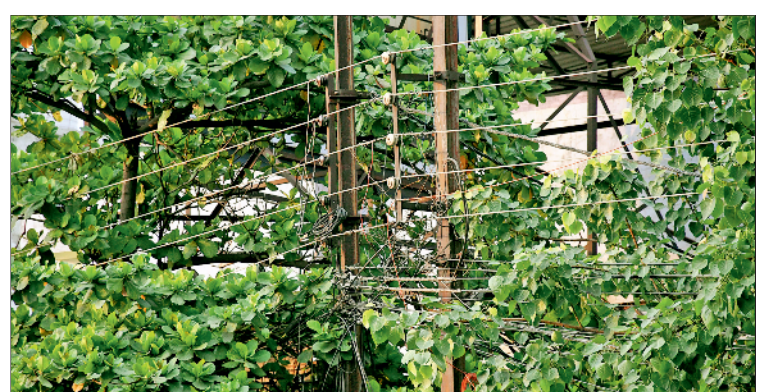

हरिभूमि सरोकार

फंड ही नहीं

राजधानी रायपुर का ऐसा कोई इलाका नहीं है जहां पर कदम-कदम पर बिजली के तारों के ऊपर पेड़ों का जाल न हो। इन पेड़ों को काटने का काम आमतौर पर बहुत कम होता है। जब उपभोक्ता शिकायत करते हैं तब पेड़ों को काटने के लिए बिजली विभाग का अमला आता है। लेकिन यह भी महज खानापूर्ति होती है। पेड़ काटने का काम करने वाले कर्मचारी कहते हैं कि इतने ज्यादा स्थानों पर बिजली के तारों पर पेड़ लटके हुए हैं कि उनको काटना संभव भी नहीं है, क्योंकि उनके पास और काम ज्यादा रहते हैं। पॉवर कंपनी के अधिकारी ही बताते हैं कि पेड़ काटने के लिए अलग से कोई फंड नहीं है, न ही इसके लिए कोई अलग से स्टॉफ है। जो स्टाफ काम करता है, उसी के खाली समय में यह काम करवाना पड़ता है। अगर अलग से फंड और स्टाफ हो जाए तो यह तय है कि पेड़ों का लगातार मेंटेनेंस होने पर आपदा के समय कम आफत आएगी।

उधार के संसाधनों का सहारा

आंधी-तूफान की जब भी आफत आती है तो पॉवर कंपनी को उधार के संसाधनों का ही सहारा रहता है। बीते साल मई में आपदा के समय राजधानी रायपुर में भी यहीं हुआ। जिला प्रशासन, वन विभाग और नगर निगम संसाधनों के सहारे काम किया गया। लेकिन इसके बाद भी काम की रफ्तार इतनी धीमी रही कि शहर में कई स्थानों के पेड़ एक सप्ताह तक रास्ते पर ही पड़े रहे। रायपुर में महज दो क्रेन पॉवर कंपनी के पास है। इसको आपदा के समय के लिए अधिकारी ही नाकाफी मानते हैं। इनके पास अलग से फंड भी नहीं है कि किराए के क्रेन और अन्य संसाधन मंगाकर काम करवा सकें। फिर भी मेंटेनेंस के फंड से काम करवाने का काम किया जाता है, ताकि बिजली व्यवस्था जल्द बहाल हो सके।

मानसिक रूप से बीमार युवती से रेप, युवक को उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में छह साल पूर्व गूंगी तथा मानसिक रूप से बीमार 32 वर्षीय युवती से रेप के आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश शांतनु कुमार देशलहरे के फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई। कोर्ट ने घटना स्थल के पास मिले सीसीटीवी फूटेज तथा मेडकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी को कैद की सजा सुनाई है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक विजयश्री बिसेन के अनुसार कोर्ट ने लेखराम यादव उर्फ लेखू को कैद की सजा सुनाई है। लेखू के खिलाफ युवती के पिता ने 19 नवंबर 2020 को थाने में रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। युवती के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि दीपक निर्मलकर मंदिर का सीसीटीवी कैमरा चेक कर रहा था। फूटेज देखने के दौरान दीपक ने देखा कि 16 नवंबर को लेखराम युवती के साथ रेप कर रहा है। इसके बाद दीपक ने घटना की जानकारी युवती के पिता को दी। युवती के पिता तथा उसकी मां ने सीसीटीवी फूटेज देखने के बाद थाने में लेखराम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

सुशासन तिहार शिविर, 389 आवेदन में 187 का निराकरण

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम पंचायत ताराशिव में जनसमस्या निवारण शिविर 389 आवेदन कर मांग पत्र सौंपे गए थे। इनमें से 187 आवेदन मौके पर निराकृत किए गए। इसी प्रकार शेष आवेदनों को जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में 40 शिकायतें भी आई थी, जिनमें से 3 शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने भी ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान पात्र लाभार्थी हितग्राहियों को सबंधित विभाग के माध्यम से बैटरी चलित ट्राई साइकिल, बीज, प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य निरीक्षण कर आयुष्मान कार्ड आदि सामग्री वितरण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, जिला पंचायत सभापति स्वाति वर्मा, 21 गांवों के सरपंच, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

एनक्यूएएस-आईपीएचएल ओरिएंटेशन प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य में प्रयोगशाला सेवाओं की गुणवत्ता सुदृढ़ करने की दिशा में 4 से 5 मई तक एनक्यूएएस-आईपीएचएल ओरिएंटेशन प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण दो बैचों में हुआ, जिसमें पहले बैच में 24 तथा दूसरे बैच में 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण संस्था एफआईएनडी द्वारा, सीमेंस हेल्थिनियर्स के सीएसआर विंग के सहयोग एवं राज्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के साथ समन्वय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को एनक्यूएएस-आईपीएचएल मानकों, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली तथा प्रयोगशाला सेवाओं के विभिन्न पहलुओं के प्रति सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन राज्य गुणवत्ता सलाहकार डॉ. विक्रम शर्मा, विषय विशेषज्ञ डॉ. जूही चंद्रा एवं डॉ. नेहा सरजल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान गुणवत्ता मानकों के अनुपालन, दस्तावेजीकरण, आंतरिक एवं बाह्य गुणवत्ता आश्वासन तथा प्रयोगशाला प्रक्रियाओं में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को डॉ. नवनीत रंजन, अंजय गुप्ता, एनएचएम के प्रबंध निदेशक रणबीर शर्मा, संयुक्त निदेशक डॉ. सुरेंद्र पामभोई एवं उपनिदेशक डॉ. शशि स्वर्णकार आदि ने संबोधित किया।

मिवान स्टील ने मेधावी छात्रा मानसी का किया सम्मान

रायपुर। मिवानी स्टील प्लांट द्वारा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा मानसी टंडन को सम्मानित किया गया। सुश्री मानसी टंडन 96.4% अंक प्राप्त कर राज्य की टॉप 10 मेरिट सूची में अपना स्थान सुनिश्चित किया। वही मानसी की पारिवारिक पृष्ठभूमि अत्यंत साधारण। वह एकल अभिभावक के संरक्षण में अपने चार बहनों के साथ निवास करती है तथा उसके पिता का निधन हो चुका है। वे रायपुर के मंदिर हसौद नगर पालिका क्षेत्र की निवासी हैं । जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसकी इस उपलब्धि समाज के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। सुश्री मानसी टंडन ने अपने भविष्य में बी काम की पढ़ाई करने तथा उसके पश्चात चार्टर्ड अकाउंटेंट की शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की है। मीवान स्टील लिमिटेड के प्रबंधक द्वारा उन्हें बधाई संदेश उपहार एवं आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कंपनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी महापात्र ने उन्हें इस सफलता के लिए बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा आश्वासन दिया की कंपनी समय-समय पर उसके शैक्षणिक उन्नति में सहयोग करती रहेगी।

कलेक्टोरेट की जर्जर हो चुकी तीन मंजिला बिल्डिंग का होगा रेनोवेशन, दरवाजे-खिड़की भी बदले जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कलेक्टोरेट में एक ओर जहां नई कंपोजिट बिल्डिंग का निर्माण कार्य जारी है, वहीं दूसरी ओर पुरानी तीन मंजिला बिल्डिंग को भी चकाचक करने के लिए बजट को स्वीकृति दी गई है। पीडब्ल्यूडी विभाग को इस पुरानी बिल्डिंग का रेनोवेशन कराने का जिम्मा दिया गया है। इसके तहत विभाग ने टेंडर निकालने के लिए फाइल भी आगे बढ़ा दी है। इस पुरानी बिल्डिंग का बाहरी हिस्सा लगभग जर्जर हो चुका है, वहीं कई दफ्तरों के खिड़की-दरवाजे भी सालों पुराने होने के कारण खराब हो गए हैं, इसलिए रेनोवेशन के दौरान कई दफ्तरों की खिड़की और दरवाजे भी बदले जाएंगे।

कलेक्टोरेट परिसर में लोक सेवा केंद्र के बगल में सालों पहले बनी तीन मंजिला बिल्डिंग कलेक्टोरेट का ही हिस्सा है। इस बिल्डिंग में वर्तमान में एडीएम से लेकर अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर के अधिकारियों से लेकर खाद्य विभाग, खनिज, आबकारी, सांख्यिकी एवं योजना, अंत्यावसायी विकास विभाग, आदिवासी विकास, समग्र शिक्षा सहित अन्य विभागों के दफ्तर भी संचालित हो रहे हैं। ग्राउंड फ्लोर पर एडीएम और अपर कलेक्टर राजस्व का कोर्ट भी लगता है। सालों पुरानी एवं मेंटनेंस नहीं होने से इस बिल्डिंग का बाहरी हिस्सा जर्जर हो चुका है। खासकर टाउन हाल की तरफ का हिस्सा इतना ज्यादा जर्जर हो चुका है कि छज्जा कई जगह से टूटकर जमीन पर गिर चुका है।

1.60 करोड़ की लागत से होगा रेनोवेशन का कार्य

पीडब्ल्यूडी विभाग के एक अधिकारी के अनुसार इस बिल्डिंग के रेनोवेशन के लिए 1 करोड़ 60 लाख रुपए का बजट को स्वीकृति दी गई है। इस बजट के अनुसार पीडब्ल्यूडी विभाग ने प्रस्ताव बनाकर टेंडर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस टेंडर में इस बिल्डिंग की चारों तरफ की बाहर एवं अंदर की दीवार, छत को ठीक किया जाएगा, डेमेज एवं खराब हो चुके कमरों की खिड़की और दरवाजों को बदला जाएगा। इसके अलावा रंग-रोगन तथा बिल्डिंग की छत पर पानी का जमाव नहीं हो इसके लिए शेड भी लगाया जाएगा।

शौचालय का भी होगा रेनोवेशन

पुरानी बिल्डिंग में कर्मचारियों के लिए बने शौचालय भी खराब हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि इन शौचालयों का भी रेनोवेशन किया जाएगा। इस बिल्डिंग में टाउन हाल की तरफ बने शौचालय की स्थिति बेहद खराब है। इसके कारण इसका इस्तेमाल करना ही कर्मचारियों ने छोड़ दिया है। रेनोवेशन के बाद इस शौचालय का उपयोग भी कर्मचारी कर पाएंगे।

नई बिल्डिंग का निर्माण पूर्ण होने पर खाली होंगे कई दफ्तर

पुरानी बिल्डिंग का रेनोवेशन का कार्य जरूर कराया जा रहा है, लेकिन नई कंपोजिट बिल्डिंग का निर्माण पूर्ण होने के बाद इस पुरानी बिल्डिंग के कई दफ्तर (कमरे) खाली हो जाएंगे। इस बिल्डिंग में बैठने वाले सभी अधिकारियों के दफ्तर नई बिल्डिंग में शिफ्ट किए जाएंगे। इसके अलावा खाद्य, आबकारी, खनिज सहित अन्य कुछ विभागों को भी नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया जाना प्रस्तावित है। ऐसे में पुरानी बिल्डिंग के कई कमरे खाली हो जाएंगे।

खाली कमरों में दूसरे विभागों के दफ्तर किए जा सकते हैं शिफ्ट

सूत्रों की मानें, तो इन खाली कमरों में कलेक्टोरेट परिसर से बाहर संचालित कुछ दूसरे विभागों के दफ्तर शिफ्ट किए जा सकते हैं। जिले में महिला एवं बाल विकास, रोजगार कार्यालय सहित अन्य विभाग के दफ्तरों को यहां शिफ्ट किए जाने की संभावना है।

पेज 11 के शेष

ढाई साल से टंकी सूखी...

को पानी नहीं मिल पा रहा है। हालात यह हैं कि ग्राम पंचायत सहित कई ग्रामीण अब पानी की समस्या को दूर करने के लिए नहरों एवं तालाबों से टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाकर कुओं में डलवा रहे हैं, ताकि गांव और ग्रामीणों को पानी मिल सके। हरिभूमि ने गुरुवार को इस गांव की पड़ताल की। इस दौरान पता चला कि गांव में पानी की गंभीर समस्या है। इसके बावजूद इस गांव में पानी की समस्या खत्म करने के लिए जिला पंचायत एवं प्रशासन द्वारा अब तक कोई पहल नहीं की गई है।

पीने का पानी नहीं, ...

के लिए इस बोर में 5 हजार लीटर की एक टंकी का निर्माण करा रहे हैं। इस टंकी में पंप और 7-8 नल की टोटी लगाई जाएगी। यह काम आज-कल में पूरा हो जाएगा। इसके बाद बटन ऑन करते ही बोर का पानी टंकी में भरेगा, जिसके बाद लोग टोटियों से पीने का पानी ले सकेंगे।

गांव में 5 सार्वजनिक ...

डलवाया जा रहा हैं, ताकि इस भीषण गर्मी में लोगों को पर्याप्त पानी मिल सके। सरपंच ने बताया कि उनके गांव में जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने का कार्य तथा टंकी का निर्माण भी ढाई साल पूर्व हो चुका है, लेकिन अभी भी टंकी से पाइप लाइन कनेक्शन जोड़ा नहीं है, वहीं लगभग 40 प्रतिशत घरों में अभी भी नल कनेक्शन का कार्य अधूरा है। इस कारण से इस योजना के तहत भी गांव में पानी मिलना शुरू नहीं हुआ है।

कई ग्रामीण भी निजी कुंए...

से एक हजार रुपए तक राशि भी खर्च करनी पड़ रही है। गांव के निवासी रमेश चंद्राकर ने बताया कि उसका कुंआ सूख चुका है, इसलिए उसे भी टैंकर मंगाना पड़ता है। गांव में इसके अलावा अन्य कई लोग है, जो राशि खर्च कर पानी टैंकर मंगा रहे हैं।

कैसे सुधरेगा शहर, सड़कों ...

के ऐसे सात मार्गो के निर्माण और चौड़ीकरण करने के लिए 127 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान रखा है। मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत इसमें काम होना है। इससे आने वाले दिनों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा, साथ ही वैकल्पिक मार्ग विकसित होंगे। यही नहीं प्रमुख इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। जिन क्षेत्रों में यह काम होना है, वहां बीते कुछ वर्षो से तेजी से आबादी बड़ी है और यातायात पर दबाव बढ़ा है, जिससे आवाजाही प्रभावित हो रही है।

तात्यापारा से शारदा चौक सड़क चौड़ीकरण...

परियोजना के जद में करीबन 102 मकान व दुकान आ रही हैं। मुआवजा राशि के लिए 122 करोड़ का अनुमान लगाया गया था। लेकिन नई गाइड लाइन दरों के कारण यह लागत और बढ़ सकती है। कुल मिलाकर ट्रैफिक जाम की समस्या जस की तस बनी हुई।

मनुवास रियलिटी से ...

मार्ग के लिए किया गया है। इससे रायपुरा से महादेवघाट मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और वैकल्पिक मार्ग लोगों को उपलब्ध होगा।

केनाल रोड 2.0...

हाल ही में महापौर मीनल चौबे से मिलकर अपनी समस्या रखी थी। नगर निगम ने इसका डीपीआर बनाकर राज्य शासन को भेजा है। केनाल रोड 2.0 बनने से नेशनल हाइवे 53 पर ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, साथ ही यह मार्ग नई कनेक्टीविटी प्रदान करेगा।

फुंडहर और सूरजनगर...

फुंडहर और सूरज नगर की सड़कों की चौड़ाई पहले ही पर्याप्त है। नगर उत्थान योजना 2026-27 में यहां सड़क चौड़ीकरण का कार्य कराया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण जमीन अधिग्रहण का मुद्दा आ रहा है। लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के पार्षद रेणु जयंत साहू ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण में लोगों के निजी मकान, खाली प्लॉट, सरकारी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और सामुदायिक भवन के अलावा, मंदिर भी आ रहा है। 130 लोगों को निगम जोन 9 ने नोटिस जारी किया है। 20 करोड़ रुपए का सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रावधान है।

4 डिग्री तक चढ़ेगा पारा अंधड़...

गुरुवार को प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई। चरमा में सर्वाधिक 3 सेमी तथा गरियाबंद में 1 सेमी बारिश दर्ज हुई।रायपुर में भी दोपहर बाद हल्के बादल छाए रहे। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41 डिग्री राजनांदगांव में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री पेंड्रा रोड में दर्ज किया गया। रायपुर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम 39.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से लगभग 2 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री कम 24.4 डिग्री दर्ज हुआ।

वज्रपात की चेतावनी...

एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है। रायपुर में भी आज आकाश आंशिक मेघमय रहेगा। देर शाम वर्षा या गरज-चमक या अंधड़ चलने की संभावना है। कुछ स्थानों के लिए वज्रपात की आशंका भी प्रकट की गई है। आने वाले दिनों में तापमान में क्रमिक वृद्धि के बाद गर्मी का अहसास लोगों को होगा। फिर से पूरे दिन एसी-कूलर चलाने की स्थिति निर्मित हो सकती है।

8 साल बाद बजट को ...

महीने हो चुके हैं, लेकिन स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए अब तक टेंडर निकाला नहीं गया है। इधर स्ट्रीट लाइटें नहीं लगने से इस मार्ग पर हर रोज रात में सड़क हादसे की संभावना भी बनी हुई है।

सामान्य सभा में मुद्दा ...

पर चिंता जताते हुए जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइटें लगाए जाने की मांग रखी। उपाध्यक्ष की चिंता और मांग के बाद अब इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए फरवरी 2026 में बजट को न केवल स्वीकृति दी, बल्कि फंड भी जारी कर दिया है। विभाग को अब सिर्फ टेंडर प्रक्रिया करके स्ट्रीट लाईटे लगाने का कार्य एजेंसी को सौंपना है। सूत्रों से पता चला कि विभाग टेंडर की प्रक्रिया ही शुरू नहीं कर पाया है। इधर विभाग की लापरवाही से स्ट्रीट लाईटे लगाने का काम फंड जारी होने के बाद भी अटका हुआ है।

बिजनेस साइट

बिन्दा सोनकर विद्यालय का शानदार परीक्षा परिणाम

- दिव्या देवांगन और पियूष देवांगन क्रमश: द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे
- विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया

रायपुर। छत्तीसगढ़ सोनकर समाज पंजीयन क्रमांक 3275 द्वारा संचालित बिन्दा सोनकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अश्वनी नगर ने सत्र 2025-26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कक्षा 12वीं में गणित संकाय से तरुण देवांगन ने 89.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। जीव विज्ञान संकाय में जानवी साहू 86.40 प्रतिशत के साथ प्रथम रहीं, जबकि वाणिज्य संकाय में योगेश शर्मा ने 82.60 प्रतिशत अंक अर्जित कर बाजी मारी। कक्षा 10वीं में गुंजेश देवांगन ने 95.67 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। दिव्या देवांगन और पियूष देवांगन क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। वहीं कक्षा 8वीं में श्रेया उके और कक्षा 5वीं में आकांक्षी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

निस्तारी के लिए नहरों में पानी छोड़ा, बांधों का जलस्तर हो गया 57 फीसदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के साथ ही पानी की मांग विभिन्न क्षेत्रों से आने पर कई बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है। राज्य के 18 बांधों से नहर के माध्यम से पानी दिया जा रहा है। निस्तारी और सिंचाई के लिए इन बांधों से पानी दिया जा रहा है। किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से नियंत्रित एवं चरणबद्ध रूप से जल छोड़ा जा रहा है। 21 मार्च को बांधों में 73.59 प्रतिशत जल भराव था, जो 7 मई को घटकर 57.66 प्रतिशत हो गया है।गंगरेल बांध से नहरों के माध्यम से धमतरी एवं रायपुर क्षेत्रों में निस्तारी एवं सिंचाई जल उपलब्ध कराया जा रहा है। दुधावा जलाशय से मुख्य नहरों के जरिए पानी दिया जा रहा है। सोंढूर परियोजना से नहर प्रणाली के माध्यम से जल छोड़ा जा रहा है। कोडार जलाशय से लगभग 6.84 क्यूमेक्स जल नहरों के माध्यम से छोड़ा जा रहा है। परालकोट परियोजना से दाएं एवं बाएं तट नहरों के जरिए पानी वितरण किया जा रहा है। खरखरा, गोंडली, पिपरिया, सारोदा, जुमका, केदार नाला एवं अन्य जलाशयों से आवश्यकता अनुसार नहरों एवं स्लुइस गेट के माध्यम से जल छोड़ा जा रहा है, जिससे रबी फसलों की अंतिम सिंचाई एवं ग्रीष्मकालीन फसलों एवं निस्तारी के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सके।

बांधों में 57 प्रतिशत से अधिक पानी : छत्तीसगढ़ राज्य के 12 वृहद एवं 34 मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में इस वर्ष जल भराव की स्थिति काफी बेहतर है। वर्तमान में राज्य के कुल 46 प्रमुख सिंचाई जलाशयों में औसत रूप से 59.18 प्रतिशत जल भराव है, जो कि वर्ष 2025 में इसी अवधि में औसत रूप से 29.40 प्रतिशत तथा वर्ष 2024 के 35 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। यह स्थिति बेहतर वर्षा, सुनियोजित जल प्रबंधन तथा जलाशयों के प्रभावी संचालन का परिणाम है।

डेढ़ दर्जन बांधों से छोड़ा जा रहा निस्तारी का पानी

मनियारी में 83, कोडार में 21 प्रतिशत जल भराव

राज्य के 12 वृहद सिंचाई परियोजनाओं में वर्तमान में 50 प्रतिशत जल भराव है, जबकि वर्ष 2025 में यह 28 प्रतिशत तथा वर्ष 2024 में 35 प्रतिशत था। प्रमुख वृहद जलाशयों में शामिल मनियारी जलाशय में 83.41 प्रतिशत, मुरूमसिल्ली में 84 प्रतिशत, खारंग में 75 प्रतिशत, दुधावा में 79.71 प्रतिशत, रविशंकर सागर में 58 प्रतिशत, सोंढूर में 64 प्रतिशत एवं तांदुला में 47.36 प्रतिशत में जल उपलब्ध है। वहीं मिनीमाता बांगो जलाशय में 57.75 प्रतिशत जल भराव है।

छीरपानी 86 और खपरी में 92 प्रतिशत से अधिक जल भराव

इसी प्रकार राज्य की 34 मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में वर्तमान में 50.18 प्रतिशत जल भराव है, जो कि वर्ष 2025 के 34.62 प्रतिशत एवं वर्ष 2024 के 36.38 प्रतिशत से अधिक है। मध्यम जलाशयों में छिरपानी जलाशय में 86 प्रतिशत, खपरी में 92 प्रतिशत, पिपरिया नाला में 85 प्रतिशत, गोंडली में 64.53 प्रतिशत, सुतियापाट में 77.65 प्रतिशत, सारोदा में 67.57 प्रतिशत एवं कोसारटेडा में 75.42 प्रतिशत जल भराव अपने उच्च स्तर पर हैं।

व्यर्थ बह रहे पानी को तत्काल रोकें -धनेंद्र

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने कहा, इस वर्ष मौसम विभाग के द्वारा जो अनुमान लगाया गया है। इस साल देश में मानसून का दबाव सामान्य से कम होने की संभावना है, जिससे बरसात कम हो सकती है। संभावित जल संकट को देखते हुए शासन से जल संरक्षण हेतु तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। प्रदेश के विभिन्न जलाशयों से गांवों के निस्तारी तालाबों को भरने के लिए नहर से छोड़े गए पानी को तालाब भरने के बाद व्यर्थ बहने से रोका जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, प्रदेश के कई छोटे जलाशयों जैसे कुम्हारी, पंखुड़ी एवं मदन जलाशयों में जल स्तर केवल 3 से 10 प्रतिशत के बीच रह गया है, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है।

खबर संक्षेप

ईएसआईसी ने निशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का किया शुभारंभ

रायपुर। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा वर्ष 2025 में अधिसूचित नई अहम संहिताओं के अंतर्गत देशभर में अपने 40 वर्ष से अधिक की आयु के बीमित व्यक्तियों के लिए निशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार सुबह 10 बजे देश के 12 विभिन्न स्थानों पर इस 'वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रायपुर में इस कार्यक्रम का आयोजन ईएसआई अस्पताल रावांभाठा में किया गया, जहां बड़ी संख्या में बीमित व्यक्तियों ने स्वास्थ्य जांच सुविधा का लाभ लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत 40 वर्ष से अधिक आयु के बीमित व्यक्तियों को संपूर्ण स्वास्थ्य जांच सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें चिकित्सकीय परीक्षण, आवश्यक लैब जांच तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श जैसी सेवाएं पूर्णतः निशुल्क प्रदान की जा रही हैं। कार्यक्रम में प्रणय सिन्हा, डॉ. राधाकांत बेहेरा, डॉ. जयती सिंह, धीरेंद्र पटनायक, डॉ. शैलेश चौधरी, डॉ. बेता मिश्रा, राज्य चिकित्सा अधिकारी के अलावा मैकमिलन साहू अपने पिता मोतीलाल साहू के प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित रहे।

रहवासी पक्षियों के पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए समर कैंप का शुभारंभ

रायपुर। धरसीवां विकासखंड के ग्राम पंचायत गोढ़ी में रहवासी पक्षियों के पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए 7 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ गुरुवार को जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने किया। प्रकृति को समझें-पक्षियों को पहचाने-संरक्षण का हिस्सा बने' थीम पर आधारित यह शिविर फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी के तकनीकी सहयोग से जिला पंचायत रायपुर, समग्र शिक्षा रायपुर एवं ग्राम पंचायत गोढ़ी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिवस पर 'नेम गेम' के माध्यम से बच्चों ने अपना नाम व पसंदीदा जानवर बताकर परिचय दिया। प्रकृति के जीवों की नकल करने का खेल एवं 'मुझे प्रकृति में क्या पसंद है' विषय पर ड्राइंग गतिविधि कराई गई। बच्चों को वेटलैंड क्या है, इसकी जानकारी दी गई।

एनएसयूआई के मुख्यमंत्री निवास घेराव में जमकर झूमाझटकी

नेता गरजे- छात्रसंघ चुनाव के लिए जारी रहेगा सड़क से सदन तक संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एनएसयूआई द्वारा छात्रसंघ की मांग को लेकर आयोजित "छात्र शक्ति-जन परिवर्तन" कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री निवास घेराव आंदोलन के दौरान रात तक पुलिस और छात्र नेताओं के बीच घूमा-झटकी एवं तीखी नोकझोंक का दौर चलता रहा।

महिला थाना चौक से मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर प्रेस क्लब के सामने रोका, जिसके बाद प्रदर्शनकारी छात्रों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई छात्र नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के दौरान कार्यकर्ताओं ने छात्र हितों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। आंदोलन के दौरान छात्रसंघ चुनाव की बहाली, शिक्षकों एवं शासकीय पदों पर भर्ती, विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक, नशे के अवैध व्यापार पर सख्त कार्रवाई एवं प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत करने जैसी प्रमुख मांगें उठाई गईं।

युवाओं को रोजगार देने की मांग

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने छात्रसंघ चुनाव बहाल करने एवं युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग सरकार से की। उन्होंने कहा कि छात्र हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। इसके विरोध में ही हम अपनी आवाज उठा रहे हैं। गौरतलब है, राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद विनोद जाखड़ का यह पहला छग दौरा था। प्रदर्शन में शामिल अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी छात्रों को संबोधित किया। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा, छग के पेड़ काटकर बाहरी उद्योगपतियों को दिए जा रहे हैं। यह सब देखकर आपका खून खौलता है या नहीं? विधायक-सांसद बनने का रास्ता जेल से होकर ही गुजरता है। एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा, छात्र हितों की लड़ाई सड़क से सदन तक मजबूती से लड़ती रहेगी।

बलपूर्वक बस में बैठाया

प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड्स लांघकर आगे बढ़ रहे जिलाध्यक्ष शांतनु झा सहित कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बलपूर्वक बस में बैठाया। जमीन पर लेटे कार्यकर्ताओं को उठाने पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। इनमें तारिक अनवर, संस्कार पांडेय, सूरज साहू सहित कई युवा नेता शामिल रहे।

उद्योगपतियों के हित में कार्य कर रही सरकारः पूर्व महापौर एजाज ढेबर, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय सहित यूथ कांग्रेस नेता सुबोध हरितवाल ने भी छात्रहित के मुद्दों पर सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ उद्योगपतियों के हित में कार्य कर रही है। छात्रहित से जुड़े मुद्दे पूरी तरह से भुला दिए गए हैं, इसलिए अब अपनी आवाज बुलंद करना जरूरी है।

दिव्यांग नहीं कर सके प्रदर्शन

छग दिव्यांग कल्याण संघ द्वारा अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर गुरुवार को प्रदर्शन की तैयारी थी। इसके अंतर्गत पैदल स्वाभिमान यात्रा नगर घड़ी चौक से मुख्यमंत्री निवास तक निकाली जानी थी। एनएसयूआई के व्यापक प्रदर्शन के कारण मुख्यमंत्री निवास की ओर जाने वाले सभी रास्ते बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिए गए थे। इस कारण दिव्यांग संघ प्रदर्शन नहीं कर सका। मार्ग परिवर्तन के कारण आम व्यक्तियों को भी परेशानी हुई।

नहीं दिखा सके दवाइयों का दस्तावेज, नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ जिले के मेडिकल दुकानों की जांच, खंगाले गए औषधियों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड

राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के अंतर्गत गुरुवार को कई मेडिकल दुकानों की जांच की गई। अभियान के दौरान फर्मों के आवश्यक अभिलेख, क्रय-विक्रय विवरण, भंडारण व्यवस्था तथा लाइसेंस संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई। इन संस्थानों में अल्प्राजोलम, कोडीन, ट्रामाडोल और अल्ट्रासेट जैसी स्वापक औषधियों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कुछ फर्मों द्वारा मांगी गई आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं किए जाने पर संबंधित फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्यवाही की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमानुसार जानकारी प्रस्तुत नहीं करने एवं अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित फर्मों के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इन स्थानों की जांच

जांच टीम ने शिव मेडिकल हॉल बाजार चौक भनपुरी, भारत मेडिसिन सेंटर खम्हारडीह, गजेंद्र मेडिकल स्टोर्स हीरापुर, हिमानी मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स हीरापुर, मधुलिका मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स बैरन बाजार, जय दुर्गा मेडिकल स्टोर्स मोवा, अमर मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स, चंचल मेडिकल स्टोर्स, वेल क्योर फार्मा कॉर्प देवपुरी, अपिओस लाइफसाइंसेज देवपुरी, जेना केयर लाइफ साइंसेज देवपुरी, पराग लॉजिस्टिक्स, जोमेड हेल्थ केयर देवपुरी और नाथानी हेल्थ केयर देवपुरी का औचक निरीक्षण किया।

दे सकते हैं सूचना

वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण दलों को निर्देशित किया है कि जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध, अमानक अथवा एक्सपायरी औषधि एवं खाद्य सामग्री की सूचना विभाग को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। गौरतलब है कि प्रदेश के नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं औषधि उपलब्ध कराने की सर्वोच्च प्राथमिकता के तहत राज्य शासन द्वारा 27 अप्रैल से 11 मई 2026 तक 'सही दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार' थीम पर 15 दिवसीय सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

कैट छत्तीसगढ़ को मिला नया नेतृत्व, संगठन विस्तार, परमानंद दूसरी बार प्रदेश अध्यक्ष बने

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कैट ने छत्तीसगढ़ में संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया हे। प्रदेश नेतृत्व की बागडोर दूसरी बार परमानंद जैन को सौंपी गई है। राष्ट्रीय नेतृत्व की अनुशंसा और प्रदेश कोर कमेटी की सर्व सम्मति से हुई बैठक में कैट के प्रदेश स्तरीय नई टीम की घोषणा की गई। बैठक में वरिष्ठ व्यापारी नेता परमानंद जैन प्रदेश अध्यक्ष, युवा व्यापारी नेता अवनीत सिंह को प्रदेश महामंत्री और विजय पटेल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ राजेंद्र खटवानी को प्रदेश कार्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकारके सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, जितेंद्र दोषी ने संयुक्त रूप से बताया कि कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया, राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल, राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल और राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी की अनुशंसा पर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

संगठन को बनाएंगे मजबूत

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्षपरमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री श्री अवनीत सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं व्यापारी केंद्रित बनाया जाएगा।

■ अवनीश प्रदेश महामंत्री, विजय पटेल कोषाध्यक्ष नियुक्त

■ व्यापारिक हितों के लिए बनेगी सशक्त रणनीति

अनुचित व्यापारिक गतिविधियों के खिलाफ संघर्ष करेंगे

पदाधिकारियों ने कहा कि कैट छत्तीसगढ़ अब प्रदेश के प्रत्येक जिले, तहसील एवं स्थानीय व्यापारिक संगठनों तक मजबूत संगठनात्मक संरचना तैयार करने की दिशा में कार्य करेगा। नई टीम व्यापारियों के हितों की रक्षा, व्यापार के अनुकूल नीतियों के निर्माण, ई-कॉमर्स एवं विदेशी कंपनियों की अनुचित व्यापारिक गतिविधियों के खिलाफ संघर्ष करेगी। यही नहीं छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को सशक्त बनाने, वोकल फॉर लोकल के उद्देश्य से व्यापक अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में व्यापारिक जगत अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में एक मजबूत, संगठित एवं सक्रिय व्यापारी संगठन की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। नई टीम अनुभव एवं युवा नेतृत्व के संयोजन के साथ प्रदेशभर के 12 लाख व्यापारियों के उत्थान एवं प्रगति के लिए जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने का कार्य करेगी। राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कैट लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में संगठन प्रदेश के प्रत्येक व्यापारी की आवाज बनकर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि नई टीम व्यापारियों के मुद्दों को स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय मंच तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रदेशभर में संगठन विस्तार, व्यापारिक जागरूकता अभियान एवं स्थानीय व्यापारिक इकाइयों के सशक्तिकरण पर विशेष कार्य किया जाएगा, कैट छत्तीसगढ़ आधुनिक कार्यप्रणाली, युवा सहभागिता एवं डिजिटल समन्वय के माध्यम से संगठन को नई दिशा देगा। कैट पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं संगठनात्मक कौशल के बल पर छत्तीसगढ़ के व्यापारिक समुदाय को नई ऊर्जा प्रदान करेगी और व्यापारियों के हितों की लड़ाई को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगी। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री श्री अवनीत सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल ने राष्ट्रीय नेतृत्व, कैट छत्तीसगढ़ के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं व्यापारी साथियों का आभार व्यक्त किया।

राज्य के 292 हजयात्री मदीना शरीफ के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हज-2026 के लिए नागपुर के अंतर्राष्ट्रीय विमानतल से अकाशा एयरलाइंस की फ्लाइट से अब तक राज्य के 292 हज यात्री नागपुर से मदीना शरीफ के लिए रवाना हो चुके हैं। हाजियों की रवानगी के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा हज हाउस नागपुर में हाजियों की रिपोर्टिंग कराई गई एवं हज यात्रा के दस्तावेजों का वितरण हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग द्वारा किया गया। साथ ही हज हाउस में लगेज चेकइन कराया गया तथा छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग एवं सदस्य मौलाना हसन अब्बास, मौलाना महताब ने विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया गया। एयरपोर्ट पर भी हज यात्रियों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे हज यात्रियों का प्रस्थान सुगमतापूर्वक संपन्न हुआ। मिर्जा एजाज बेग ने बताया कि राज्य के हज यात्री मदीना शरीफ में 8 दिन गुजारने के बाद मदीना शरीफ से मक्का शरीफ के लिए भी रवानगी शुरू हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष से हज यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि करते हुए हाजियों को मदीना शरीफ से मक्का शरीफ के लिए भारतीय हज मिशन द्वारा बुलेट ट्रेन से यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

रवि भवन में व्यापारी से मारपीट, कार्रवाई की मांग

रायपुर। रवि भवन के एक मोबाइल कारोबारी से मारपीट के मामले में असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। व्यापारी संघ के अध्यक्ष विक्रम केवलानी ने कहा कि मामले में अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो गोलबाजार थाने का घेराव किया जाएगा। इसके अलावा रवि भवन का व्यापार बंद करने का फैसला भी लिया जाएगा। व्यापारियों का कहना है कि रवि भवन में अक्सर असामाजिक तत्व आकर हंगामा करते हैं। इस दौरान कोई व्यापारी अगर विरोध करता है तो उससे मारपीट तक की जाती है।

अब पीकआवर में खपत छह हजार मेगावाट से कम

अप्रैल में सात हजार मेगावाट के पार गई थी खपत

मौसम ने उतारी बिजली की खपत की गर्मी, डिमांड हजार मेगावाट घटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में मई का माह कम से कम छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। मई में मौसम ने करवट बदली है और प्रदेश में कहीं बारिश हो रही है, तो कहीं ओले गिर रहे हैं। कहीं बादल छाए हुए हैं। ऐसे में जो पारा 45 डिग्री के पार जा रहा था, वह अब कम हो गया है। इसी के साथ मौसम ने बिजली की खपत की गर्मी को भी उतार दिया है। जो खपत बीते माह सात हजार मेगावाट के पार चली गई थी, वह अब छह हजार मेगावाट से भी कम हो रही है। कुछ दिनों पहले यह खपत पांच हजार मेगावाट पर आ गई थी।

मई का प्रारंभ ही मौसम के बदलने से हुआ है। आने वाले समय में अभी मौसम के कुछ दिनों तक इसी तरह से रहने की संभावना है। मौसम ऐसा ही रहा तो यह बात तय है कि बिजली की खपत भी कम होगी। इस समय बिजली की खपत जहां दिन के समय में 51 से 52 सौ मेगावाट हो रही है। वहीं शाम को पीकआवर में खपत छह हजार मेगावाट से कम हो रही है। खपत कम होने का बड़ा कारण एसी और कूलरों का चलना कम होना है।

अपना उत्पादन कम

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर के संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। लेकिन कभी भी उत्पादन 26 से 27 सौ मेगावाट तक ही हो पाता है। इस समय तो अपना दो हजार मेगावाट के आस-पास हो रहा है। इस समय कोरबा वेस्ट के संयंत्र में एक 210 मेगावाट के दो संयंत्र खराब है। कुछ समय पहले मड़वा में एक 500 मेगावाट का संयंत्र भी खराब था, लेकिन अब इसमें उत्पादन हो रहा है। खपत ज्यादा होने के कारण सेंट्रल सेक्टर से रोज साढ़े तीन हजार मेगावाट बिजली लेनी पड़ रही है। अप्रैल में सेंट्रल सेक्टर से रोज पांच हजार मेगावाट तक बिजली लेनी पड़ रही थी।

अप्रैल में बना खपत का रिकॉर्ड

अप्रैल में इस बार खपत का नया रिकॉर्ड बना। बीते साल गर्मी में खपत सात हजार मेगावाट के पार गई थी। लेकिन इस बार खपत 73 सौ मेगावाट के करीब पहुंच गई। अप्रैल में लगातार करीब एक सप्ताह तक खपत सात हजार मेगावाट के आस-पास रही है। पहले कभी इतनी खपत नहीं होती थी। ऐसे में लग रहा था कि मई में खपत का पारा 75 सौ मेगावाट तक जा सकता है, लेकिन मई के मौसम ने बिजली की खपत की पूरी खुमारी उतार दी है।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, शुक्रवार 8 मई 2026

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

04 'बहू हो तो आम्रपाली दुबे जैसी' का...

लाइव इवेंट

उज्बेकिस्तान के कृषि वैज्ञानिकों ने परखीं छत्तीसगढ़ की तकनीकें

रायपुर। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच कृषि शिक्षा, अनुसंधान और तकनीक के क्षेत्र में आपसी संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उज्बेकिस्तान का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल रायपुर पहुंचा। इस दल ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान अधोसंरचनाओं का विस्तृत जायजा लिया और द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने पर सहमति जताई। विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में "भारत एवं उज्बेकिस्तान के मध्य द्विपक्षीय शैक्षणिक, अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग सुदृढ़ीकरण" विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी के उप-कुलपति प्रो. अब्रोर जोरायेव तुरोबोविच और समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रो. तयलाकोव तोलिब इसाकुलोविच सहित अन्य वैज्ञानिकों ने छात्र एवं संकाय विनिमय और कृषि उद्यमिता विकास पर सार्थक चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने अत्याधुनिक सुविधाओं का किया अवलोकन

विश्वविद्यालय की अनुसंधान प्रयोगशालाओं, स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर्स का भ्रमण किया। विदेशी वैज्ञानिकों ने औषधीय एवं सगंध पौधों के उत्पादन, टिशू कल्चर लैब (केला, गन्ना, बांस), जैव उर्वरक प्रयोगशाला और बायोटेक पार्क की गतिविधियों को देखा और छत्तीसगढ़ की उन्नत कृषि तकनीक की सराहना की।उल्लेखनीय है कि पिछले माह कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व में एक भारतीय दल ने उज्बेकिस्तान का दौरा कर वहां के प्रमुख संस्थानों के साथ एमओयू किए थे। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए यह 8 सदस्यीय दल अब छत्तीसगढ़ पहुंचा है। इस संवाद से दोनों देशों के बीच संयुक्त अनुसंधान, क्षमता निर्माण और एग्री-उद्यमिता के नए अवसर खुलेंगे। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. हुलास पाठक और अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे सहित कई वरिष्ठ शिक्षाविद उपस्थित रहे। यह दल कल रायपुर के आसपास निजी क्षेत्र के कृषि संस्थानों का भी दौरा करेगा।

● 10 और 13 मई को रायपुर में होंगे हाई-वोल्टेज मुकाबले, मैच देखने समय से पहले स्टेडियम पहुंचने की अपील

स्टेडियम में सिक्का, सेल्फी स्टिक, पानी की बोतल, बैग ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध, बाजार में छाई आरसीबी-केकेआर की जर्सी

राजधानी के शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल-2026 का खुमार क्रिकेट फैंस के सिर चढ़कर बोलने लगा है। आगामी 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच महामुकाबला होना है, जबकि 13 मई को बेंगलुरु का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। इन मैचों को लेकर शहर में जबरदस्त उत्साह है। मैच के दिन जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, राजधानी के बाजारों में रौनक बढ़ गई है।

रायपुर। दुकानों पर आरसीबी और केकेआर की टी-शर्ट्स जमकर बिक रही हैं। खासकर विराट कोहली की टीम का क्रेज इतना ज्यादा है कि लोग धड़ल्ले से उनकी प्रिंटेड टी-शर्ट खरीद रहे हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी टिकटों की भारी डिमांड है और फैंस किसी भी कीमत पर अपनी सीट पक्की करने में जुटे हुए हैं। 500 से 2 हजार तक टी-शर्ट खरीद रहे हैं। क्रिकेट प्रेमियों ने आरसीबी की वेबसाइट से ऑरिजनल टी-शर्ट ऑर्डर की है।

यातायात और पार्किंग का विशेष प्लान

मैच के दौरान शहर और स्टेडियम के आसपास जाम की स्थिति न बने, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। डीएसपी गुरजीत सिंह ने बताया कि यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए एक विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा। स्टेडियम के आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहेगा और दर्शकों की सुविधा के लिए अलग-अलग पार्किंग जोन निर्धारित किए गए हैं।

सुरक्षा चाक-चौबंद इन चीजों पर बैन

भारी भीड़ और उत्साह को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने स्टेडियम में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए हैं।

रोजमर्रा की चीजें: पानी की बोतलें, टिफिन, कांच के कंटेनर, बाहरी खाने-पीने का सामान, हैंडबैग, सूटकेस, बड़े लेडीज बैग और बैकपैक पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

नशे का सामान: शराब, बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला, माचिस और लाइटर अंदर नहीं ले जा सकेंगे।

गैजेट्स और अन्य चीजें: लैपटॉप, हैंडीकैम, लेजर लाइट, फ्लैश लाइट, परफ्यूम स्प्रे, सीरिंज, पेन-पेंसिल, रेडियो, वाद्ययंत्र और लाउड हेलर।

खतरनाक वस्तुएं: चाकू, कटार, तलवार, कैंची, पटाखे, आग्नेयास्त्र और कोई भी ज्वलनशील पदार्थ।

अन्य सामग्री: सिक्के, खिलौना गेंद, सीटी, हॉर्न, प्रचार सामग्री, कुर्सी, स्टूल, छाता, स्केट बोर्ड, हॉकी स्टिक और झंडे की लकड़ी ले जाने पर भी रोक है।

समय से पहले पहुंचें स्टेडियम

प्रशासन ने दर्शकों से अपील की है कि वे मैच शुरू होने से काफी पहले स्टेडियम पहुंच जाएं। प्रवेश द्वारों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। केवल वैध टिकट और सही पहचान पत्र वाले दर्शकों को ही अंदर प्रवेश दिया जाएगा। देरी से पहुंचने पर चेकिंग के कारण मैच का शुरुआती हिस्सा छूट सकता है।

सिटी इवेंट

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर हुआ महामंथन देश-विदेश के विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

रायपुर। एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल एंड एलाइड साइंसेज द्वारा बाल और किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में देश-विदेश के 130 से अधिक विशेषज्ञों, चिकित्सकों और नीति-निर्माताओं ने हिस्सा लिया। तकनीकी सत्रों में 60 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए और एक एब्स्ट्रैक्ट बुक का विमोचन भी हुआ। सम्मेलन की मुख्य अतिथि डॉ. सुरभि दुबे (पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज) ने बच्चों में मानसिक समस्याओं की समय रहते पहचान और साक्ष्य-आधारित बहु-क्षेत्रीय रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) पीयूषकांत पांडे ने प्रह्लाद (मानसिक दृढ़ता) और अभिमन्यु (अधूरी शिक्षा के दुष्परिणाम) का पौराणिक उदाहरण देते हुए युवाओं के लिए अंतर्विषयक सहयोग और व्यावहारिक शोध की अपील की। प्रो-वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) सुमिता दवे ने तेजी से बदलते डिजिटल परिवेश में भावनात्मक सशक्तिकरण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुप्रीति शर्मा ने गंभीर चिकित्सा उपचार के दौरान मरीजों के मनोवैज्ञानिक सहयोग पर प्रकाश डाला।

मनोसामाजिक देखभाल पर भी चर्चा

इस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य भी शामिल रहे। बांग्लादेश के डॉ. असोक कुमार साहा ने 'प्रौद्योगिकी और मानव जीवन' के बीच संतुलन की आवश्यकता बताई, जबकि अमेरिका से आए डॉ. मर्फी हैलिबर्टन और डॉ. वर्णिका अरोड़ा ने मध्य भारत में युवा आत्महत्या व्यवहार के बाद की मनोसामाजिक देखभाल पर चर्चा की। विभाग प्रमुख प्रो. (डॉ.) प्रमिला सिंह ने विषय की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए स्वागत भाषण दिया। समापन सत्र में यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट सुश्री चेतना देसाई ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने आओ बात करें जैसे सामुदायिक कार्यक्रमों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और पॉक्सो एक्ट के क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। सम्मेलन का समापन डॉ. महेंद्र कुमार के प्रतिवेदन और डॉ. अनीता गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बालीवुड अभिनेता राकेश छत्तीसगढ़ी फिल्म में टेक्निकल डायरेक्टर के तौर पर करेंगे डेब्यू

रायपुर। बालीवुड अभिनेता राकेश चतुर्वेदी ओम गुरुवार को राजधानी पहुंचे। यहां वे एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। इस दौरान अभिनेता ने रायपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों से प्रेसवार्ता में चर्चा की। बता दें कि राकेश चतुर्वेदी ओम हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना पहचाना नाम है, जिन्होंने अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म केसरी में मुख्य खलनायक सैदुल्लाह खान की भूमिका से दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई। केसरी फिल्म के अंत मे अक्षय कुमार यानी ईश्वर सिंह का वो बेहतरीन डायलॉग चल झूठा बोलकर सैदुल्लाह खान के गर्दन में खंजर मारना, इस दृश्य ने खूब तालियां बटोरी थीं।

निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे अभिनेता ने पत्रकारों से की चर्चा

मशहूर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह को अपना आदर्श मानने वाले राकेश चतुर्वेदी ने फिल्म केसरी के बाद मुड़कर नहीं देखा। उनकी फिल्मों की सूची में फिल्म पेडमेन, अपूर्वा, धूर्त, सरदार द गेम चेंजर, द लेडी किलर सहित बहुत-सी वेब सीरीज शामिल हैं।

छालीवुड की बढ़ती लोकप्रियता बयां की

अभिनेता राकेश चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता में चर्चा करते हुए बताया कि वे वर्तमान में छत्तीसगढ़ पारिवारिक फिल्म चंदन में निर्माता गुड्डू त्रिपाठी व निर्देशक गुरमीत गुरदत्ता के साथ टेक्निकल डायरेक्टर के रूप में भी नजर आएंगे। यह फिल्म जीएम प्रोडक्शन की बैनर तले बन रही है। अभिनेता ने छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्री छालीवुड की बढ़ती लोकप्रियता को बयां करते हुए उत्साह जताया। अभिनेता ने बताया कि वे अपने मित्र अशोक त्रिपाठी गुड्डू की बिटिया के वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने रायपुर के पत्रकारों से मुलाकात कर खुशी जाहिर की। इस दौरान उनके साथ गुड्डू त्रिपाठी, गुरमीत गुरदत्ता, सुनील जग्गी, संतोष शुक्ला मौजूद रहे।

लघु फिल्म प्रतियोगिता के लिए 30 जून तक भेज सकेंगे प्रविष्टियां

रायपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा 12वें लघु फिल्म प्रतियोगिता 2026 के लिए प्रविष्टियां 30 जून 2026 तक आमंत्रित किया गया है। प्रतियोगिता में किसी भी आयु समूह के नागरिक भाग ले सकते हैं। चयनित फिल्म को प्रथम पुरस्कार 2 लाख, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख 50 हजार एवं तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपए एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोई शुल्क निर्धारित नहीं है। लघु फिल्म का विषय 'ह्यूमन राइट इश्यू' है, जो अंग्रेजी एवं किसी भी भारतीय भाषा में हो सकता है। लघु फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 एवं अधिकतम 10 मिनट का होना चाहिए। प्रविष्टियां केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। अधिक जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र के लिए वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है।

रीजनल साइंस सेंटर में दो दिवसीय समर साइंस कैम्प का आगाज

विद्यार्थियों ने ग्रीन क्रॉफ्ट स्टूडियो में तैयार किए साइंस मॉडल थर्मोमीटर और फ्लोटिंग मैग्नेट से समझे वैज्ञानिक सिद्धांत

कार्नर न्यूज

रायपुर। साइंस सेंटर में गुरुवार को समर साइंस कैम्प के अंतर्गत ग्रीन क्रॉफ्ट स्टूडियो पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 7 एवं 8 मई तक होगी। यह कार्यक्रम भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे के सहयोग से किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, पुनर्चक्रण एवं रचनात्मक वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित करना है। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों को कम लागत एवं पर्यावरण-अनुकूल सामग्री की सहायता से विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल एवं प्रयोग तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों द्वारा सरल एवं गतिविधि-आधारित सत्रों के माध्यम से विज्ञान की अवधारणाओं को रोचक तरीके से समझाया गया। विद्यार्थियों ने सिंपल थर्मोमीटर गतिविधि के माध्यम से वायु के प्रसार एवं संकुचन की अवधारणा को समझा। इसके अतिरिक्त फ्लोटिंग मैग्नेट गतिविधि द्वारा चुंबकत्व के सिद्धांतों को प्रदर्शित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने चुंबकीय बल एवं प्रतिकर्षण के प्रभावों को व्यावहारिक रूप से अनुभव किया। लेविटेटिंग पेन गतिविधि एवं पुनर्चक्रित सामग्री से स्वयं चुंबक तैयार करने जैसी गतिविधियों ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता को बढ़ावा दिया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को ब्रेन कैप मॉडल के माध्यम से मानव मस्तिष्क की संरचना को सरल एवं गतिविधि-आधारित तरीके से समझाया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान को प्रयोगात्मक एवं अनुभवात्मक रूप में सीखने का अवसर प्राप्त हुआ।

विज्ञान एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक बन रहे बच्चे

इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक प्रज्ञा कदम वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ने कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों को बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट की अवधारणा से जोड़ते हुए विज्ञान एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने बताया कि गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों में तार्किक सोच, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया जा रहा है।

आज वैज्ञानिक मॉडल तैयार करना सीखेंगे

उन्होंने आगे जानकारी दी कि कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों को पुनर्चक्रित एवं कम लागत वाली सामग्री की सहायता से बैलेसिंग बर्ड, सिंपल डीसी मोटर, लिफ सेल, पेपर क्यूब एव पोटैटो बैट्री जैसे रोचक वैज्ञानिक मॉडल तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे विज्ञान की अवधारणाओं को और अधिक व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक रूप में समझ सकेंगे।

विभिन्न स्कूलों से लगभग 40 छात्र-छात्राएं ले रहे भाग

इस कार्यशाला में शहर के विभिन्न स्कूलों से लगभग 40 छात्र-छात्राएं सहभागिता कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक गतिविधियों में भाग लेते हुए विज्ञान एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से समझा। इसमें भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे से पहुंचे वैज्ञानिकों की टीम समर कैंप में भाग ले रहे स्कूली बच्चों को विज्ञान और उनके व्यवहारिक अनुप्रयोग को सरल व रोचक तरीके से समझा रही है।

सिटी इवेंट

रोटरी क्लब ने रायपुर रेलवे स्टेशन को भेंट की 10 व्हीलचेयर

रायपुर। अशक्त, दिव्यांगों और बुजुर्ग यात्रियों को रेलवे स्टेशन परिसर में आवागमन में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ने 10 नई व्हीलचेयर दान की गईं। रोटरी क्लब के प्रांतपाल अमित जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में ये व्हीलचेयर चीफ स्टेशन मैनेजर आरपी मंडल को सौंपी गईं। इससे पूर्व भी क्लब के वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष स्वरूपचंद जैन के सहयोग से यात्रियों के लिए ठंडे पानी की मशीन लगवाई जा चुकी है। इस अवसर पर चीफ स्टेशन मैनेजर आरपी मंडल और रोटरी सदस्यों के बीच यात्री सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। तय किया गया कि आगामी समय में प्लेटफॉर्म के नवीनीकरण के दौरान रोटरी क्लब द्वारा महिलाओं की सुविधा के लिए एक विशेष कमरा विकसित किया जाएगा। साथ ही, रेलवे के पास उपलब्ध पुरानी और खराब व्हीलचेयर की मरम्मत भी रोटरी क्लब कराएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को इसका लाभ मिल सके। आरपी मंडल ने क्लब के इन सेवा कार्यों की प्रशंसा की और भविष्य में आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

ये सदस्य रहे उपस्थित

प्रदीप गोविंद शितूत ने बताया कि यह कार्यक्रम सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वरूपचंद जैन, सुभाष साहू, आईबीएस बत्रा, गिरीश वोरा, शेखर अमीन, समीर रक्षित, प्रीता लाल, भरत डागा, एनसी मोरयानी, नवीन आहूजा, राकेश पांडे, योगेश अग्रवाल, चंपालाल साहू, अरविंद जोशी, दिलीप कुमार गोयल, वैभव शर्मा, निपेश प्रजापति, पनिश नारनोलिया, हर्षवर्धन जैन और विनय अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

प्रदेशभर में आज रिलीज होगी छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मोला लव होगे'

श्याम टॉकीज में प्रीमियर शो

रायपुर। अनुमोद फिल्म्स के बैनर तले बनी नई छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मोला लव होगे' 8 मई को प्रदेशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्माता और निर्देशक अनुमोद राजवैद्य की यह फिल्म एक साफ-सुथरी पारिवारिक और रोमांटिक मनोरंजन वाली फिल्म है, जो राजधानी सहित छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख शहरों में एक साथ रूपहले पर्दे पर उतरेगी। इस फिल्म के जरिए दो नए चेहरे छत्तीसगढ़ी सिनेमा में लीड रोल में डेब्यू कर रहे हैं। नायक के रूप में आयुष राजवैद्य नजर आएंगे, जो इससे पहले राष्ट्रीय स्तर पर नाटकों में अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवा चुके हैं। वहीं भानुप्रतापपुर की तिरांजली गोस्वामी इस फिल्म से मुख्य नायिका के रूप में अपना फिल्मी सफर शुरू कर रही हैं। इन नए कलाकारों के साथ फिल्म में छत्तीसगढ़ी सिनेमा के जाने-माने नाम जैसे सुपरस्टार करन खान, रजनीश झांझी, संजय महानंद, पुष्पेंद्र सिंह, जागेश्वरी मेश्राम और विक्रम राज भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

26 साल में पहली बार साथ दिखेंगे करन और रजनीश

फिल्म की एक बड़ी खासियत यह है कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा के 26 वर्षों के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जब सुपरस्टार करन खान और प्रदेश के सशक्त अभिनेता रजनीश झांझी एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे। दर्शकों के लिए इन दोनों दिग्गजों को एक साथ देखना बेहद रोमांचक होगा। 'बिदाई' जैसी सफल फिल्म देने के बाद निर्देशक अनुमोद राजवैद्य की यह दूसरी फिल्म है। लेकिन इस फिल्म को जो बात सबसे खास बनाती है, वह है इसका डिस्ट्रीब्यूशन। 'मोर छइंहा भुइयां' और 'झन भूलौ मां बाप ल' जैसी ऐतिहासिक फिल्मों के निर्माता-निर्देशक सतीश जैन पहली बार अपने होम प्रोडक्शन से बाहर किसी दूसरी फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन कर रहे हैं।

मेट्रो सिटी और बॉलीवुड एक्टर्स के फैशन स्टाइल को फॉलो कर रही नई जनरेशन

जेन-जी में कंफर्ट वियर्स का ट्रेंड, वन पीस गाउन पार्टी वियर पैटर्न और लखनवी ड्रेस कर रहे कैरी

ब्वॉयज-गर्ल्स दोनों के लिए न्यू वियर समर कलेक्शन में कंफर्ट वियर्स सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। इसमें ब्वॉयज के लिए बैगी जींस, डाउन शोल्डर शर्ट और टी-शर्ट, बूट कट, बॉम्बर पेयर, पैलर ऑन डिमांड है तो गर्ल्स के लिए ऑफ शोल्डर टी-शर्ट, शार्ट टॉप, लॉन्ग स्कट, वन पीस गाउन पार्टी वीयर पैटर्न और लखनवी ड्रेस कैरी की जा रही है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर मेनरोड स्थित फैशन शोरूम के शोएब ने बताया कि यूथ में फैशन को लेकर हमेशा से क्रेज रहता है। उन्हीं के शौक व डिमांड के मुताबिक मेट्रो सिटी यूथ व बॉलीवुड एक्टर्स में सबसे ज्यादा चलन व ट्रेंड करने वाले कंफर्ट व स्टाइलिश लुकिंग वियर को सिटी यूथ कैरी करता है। समर सीजन शादी-पार्टी और छुट्टियों में टूर-पिकनिक के लिए होता है। ऐसे में युवा फैशन बोल्ड, चमकीले रंगों और ग्राफिक प्रिंट्स वाली बैगी जींस, क्रॉप टॉप, जर्सी शर्ट काफी पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा जींस, लेगिंग, स्वेटपैंट, जर्सी शर्ट, ओवरसाइज्ड टीज, क्रॉप टॉप, हूडी और फ्लेनेल शर्ट जैसे कैजुअल कपड़े ट्रेंड कर रहे हैं। फैशन कारोबार व डिजाइनिंग से जुड़े लोगों का कहना है कि 2026 में यूथ फैशन में कम्फर्टेबल, तकनीकी और स्थिरता के साथ-साथ पुरानी यादों और स्टेटमेंट एसेसरीज का मिश्रण देखने मिल रहा है।

आउटफिट के साथ ज्वेलरी व स्मार्ट गैजेट्स का क्रेज

कपड़ों के अलावा खासकर गर्ल्स में लाइटवेट ज्वेलरी, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जैसे स्मार्टफोन, उसके एसेसरीज शामिल हैं। शहर के गोलबाजार, पुरानी बस्ती रोड पर स्थित वियर्स फैशन हाउस, वॉच, शूज के शोरूम पर युवा खरीदी करने पहुंच रहे हैं। भीड़ दिखने लगी है। युवा में दूसरों से अलग दिखने के लिए कम्फर्टेबल एवं स्टाइलिश फैशन वियर्स को अपने ड्रेसेस कलेक्शन में शामिल कर रहे हैं, ताकि वे पर्सनालिटी में कांफिडेंट व स्मार्ट लुक में नजर आएं।

टॉप डिजाइनर्स के डिजाइन किए ड्रेसेज की मांग

पुरानी बस्ती स्थित फैशन शोरूम के कारोबारी ने बताया कि मेंस-वुमंस वियर दोनों ही शोरूम में समर सीजन को लेकर नए वियर्स कलेक्शन आ गए हैं, जिसको लेकर खासकर कॉलेज स्टूडेंट्स अपने दोस्तों के साथ मनपसंद की टॉप डिजाइनर्स के डिजाइन किए गए ड्रेसेस को सलेक्ट कर रहे हैं। फैशन को लेकर यूं तो हर साल नया ट्रेंड देखने को मिलता है। फिलहाल यूथ हर वोकेशन में अप-टू-डेट होकर महफिल से लेकर सोशल मीडिया तक छाने को तत्पर हैं।

फेयरवेल में छत्तीसगढ़ी-पंजाबी लोकनृत्य और गीतों से स्टूडेंट्स ने किया मंत्रमुग्ध

श्रीरावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में नवआरंभ-2026 नए सपने, नई अभिलाषाएं कार्यक्रम का गरिमामय एवं भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा कैंपस के साईं प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास, आत्मविश्वास वृद्धि तथा सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को सुबह 10.30 बजे अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

रायपुर। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा विविध रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां गीत, नृत्य एवं मनोरंजक गतिविधियों से मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही मिस्टर एवं मिस फेयरवेल का चयन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की प्रतिभा, व्यक्तित्व एवं आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। सांस्कृतिक सत्र में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं लोकसंस्कृतियों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। शिक्षा संकाय की प्राध्यापिका कशिश एवं विभांशी द्वारा गीत प्रस्तुति दी गई। साहिल द्वारा एकल प्रस्तुति, नीतूबाई एवं समूह द्वारा करमा नृत्य, तथा तृप्ति चौहान एवं समूह द्वारा छत्तीसगढ़ी नृत्य ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कुलपति प्रो. सौरभ चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं नवाचारों पर प्रकाश डाला, वहीं कुलसचिव प्रो. अमृतु अनिल राव पुरोहित ने अनुशासन एवं समय प्रबंधन की महत्ता पर बल दिया। अकादमिक अधिष्ठाता प्रो. मनीष उपाध्याय ने शिक्षा के बदलते स्वरूप एवं नवाचार की भूमिका को स्पष्ट किया। स्पोर्ट्स डायरेक्टर एवं शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. सुमीत तिवारी ने नवआरंभ की थीम नए सपने, नई अभिलाषाएं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिसर में बिताए गए ये पल विद्यार्थियों के संतुलित व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होंगे। शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. ईश्वर प्रसाद यदु ने शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व पर बल दिया, जबकि विशिष्ट शिक्षा विभागाध्यक्ष पूर्णिमा साहू ने शिक्षक, शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

पारंपरिक लोकनृत्य व गीतों से बांधा समां

इसके अतिरिक्त गीतांजलि मलैया द्वारा छत्तीसगढ़ी लोकगीत, सुशिता साहू एवं समूह द्वारा नृत्य, प्रतिभा कुमारी द्वारा अवधि विवाह लोकगीत, लीसा साहू द्वारा नृत्य तथा देवी कुमार साहू द्वारा ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया गया। मनीष एवं समूह ने छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य की प्रस्तुति से समां बांधा। अनुराधा एवं समूह द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी घूमर नृत्य, प्रेरणा एवं समूह द्वारा आदिवासी लोकनृत्य, तथा दिनेश एवं सतीश के समूहों द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य अत्यंत सराहनीय रहे। पंजाबी गिद्धा, सेमी-क्लासिकल एवं दक्षिण भारतीय नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विविधता एवं रंगारंगता का समावेश किया। अंत में सामूहिक नृत्य प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को उत्साह एवं उमंग से भर दिया।

नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं आध्यात्मिक उन्नति का समावेश

इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव महाराज ने अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं आध्यात्मिक उन्नति के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल गर्ग ने आधुनिक शिक्षा के साथ कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर बल दिया। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. कमल कुमार प्रधान ने लक्ष्य निर्धारण एवं निरंतर प्रयास के महत्व को रेखांकित किया।

प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह आज, पवित्र बंधन में बंधेंगे 2300 से अधिक जोड़े

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिलों में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। इस प्रदेशव्यापी आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सामूहिक विवाह समारोह में विभिन्न धर्मों एवं समुदायों के 2300 से अधिक जोड़े अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह सूत्र में बंधेंगे।

इस आयोजन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध सहित विशेष पिछड़ी जनजातियों के जोड़ों की सहभागिता, छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का उदाहरण बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह आयोजन केवल विवाह का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और एकता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि एक समय आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटियों का विवाह चिंता का विषय होता था, लेकिन मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने इस चिंता को विश्वास और गरिमा में बदल दिया है। यह योजना समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदनशील शासन की पहुंच सुनिश्चित करती है। उल्लेखनीय है कि बीते 10 फ़रवरी को राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में कुल 6,412 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने की तैयारी पूरी

योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत में संबल मिलता है। इसके साथ ही विवाह आयोजन में आवश्यक सामग्री एवं अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाती हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी जिलों में आयोजन स्थल, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि प्रत्येक जोड़े और उनके परिजनों को सम्मानजनक एवं सुगम वातावरण मिल सके।

आचार्य पदारोहण महोत्सव का 16 जून से ऐतिहासिक आयोजन

रायपुर। शहर के जैन दादाबाड़ी में आचार्य पदारोहण महोत्सव का आयोजन 16 से 18 जून तक किया जाएगा। यह आयोजन सकल जैन श्री संघ छत्तीसगढ़ एवं अखिल भारतीय श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ महासंघ के तत्वावधान में होने जा रहा है। पदारोहण महोत्सव 71 वर्षों का लंबा इंतजार के पश्चात मोहनलाल संप्रदाय के जयनंद मुनि महाराज साहब के शिष्य पूज्य पन्यास प्रवर विनय कुशल महाराज साहब को आचार्य पदवी प्रदान की जाएगी। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार किसी जैन मुनि को आचार्य पदवी प्रदान की जाएगी। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में पूरे भारत से बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबियों के आने की संभावना है, जो इस ऐतिहासिक महोत्सव के साक्षी बनेंगे। खरतरगच्छ मुंबई उद्धारक पूज्य मोहनलाल समुदाय को मिलने जा रहे हैं। नूतन आचार्य यह केवल एक पदवी नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के लिए गौरव और हर्ष का क्षण है।

> जैन दादाबाड़ी में होगा जैन मुनि, साध्वी, संतों का भव्य समागम

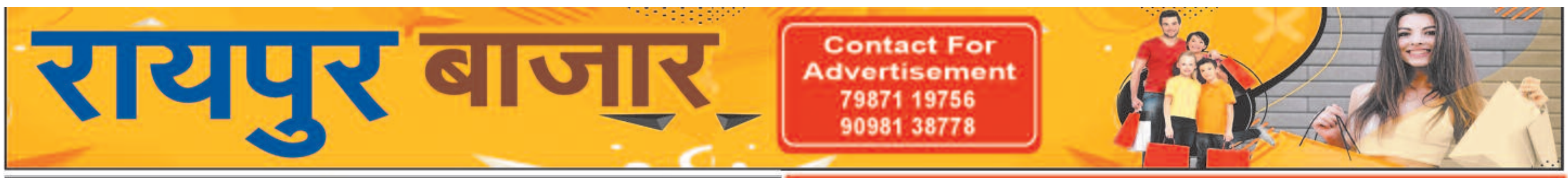

सिटी स्पोर्ट्स

40 की उम्र के बाद कमजोर होने लगती हैं महिलाओं की हड्डियां रखें इन बातों का ध्यान

40 की उम्र के बाद महिलाओं में हड्डियों की मजबूती धीरे-धीरे कम होने लगती है। यह मुख्य रूप से हार्मोनल बदलाव, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, और जीवनशैली से जुड़ी आदतों के कारण होता है।

कमजोर हड्डियों की समस्या को नजरअंदाज करना भविष्य में ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ों में दर्द और फ्रैक्चर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए इस उम्र में महिलाओं को अपनी डाइट, एक्सरसाइज और जीवनशैली पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सही पोषण, नियमित व्यायाम और हड्डियों को मजबूत रखने वाली आदतें अपनाकर महिलाएं इस समस्या से बच सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत रख सकती हैं।

40 के बाद हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए सही आहार बहुत जरूरी है। कैल्शियम हड्डियों का मुख्य हिस्सा है और विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। आहार में दूध, दही, पनीर और घी शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और सरसों का साग भी कैल्शियम से भरपूर होती हैं। अंडे और मछली जैसे सैल्मन विटामिन डी और ओमेगा-3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत हैं। बादाम, काजू, तिल और अलसी के बीज हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

व्यायाम करें

हड्डियों की मजबूती के लिए नियमित

व्यायाम जरूरी है। वॉकिंग और जॉगिंग जैसी वेट-बियरिंग एक्सरसाइज हड्डियों को मजबूत करती हैं।

योग और स्ट्रेचिंग संतुलन बढ़ाने और जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करता है। हल्के डंबल्स, रेजिस्टेंस बैंड या बॉडी वेट एक्सरसाइज से हड्डियों की घनता बढ़ती है।

धूम्रपान और शराब

धूम्रपान हड्डियों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ाता है। शराब का अत्यधिक सेवन कैल्शियम के अवशोषण को कम करता है और हड्डियों की कमजोरी बढ़ा सकता है।

सूरज की रोशनी है जरूरी

विटामिन डी के लिए रोजाना 15-20 मिनट धूप में रहना जरूरी है। यह हड्डियों में कैल्शियम के सही अवशोषण में मदद करता है। सुबह या शाम के हल्के समय में बाहर टहलना सबसे सुरक्षित होता है।

हड्डियों की जांच

40 के बाद समय-समय पर बोन डेंसिटी

टेस्ट करवाना जरूरी है। यह हड्डियों की ताकत और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम का पता लगाने में मदद करता है। टेस्ट के आधार पर डॉक्टर सप्लीमेंट्स और जीवनशैली में बदलाव की सलाह दे सकते हैं।

40 की उम्र के बाद महिलाओं में हार्मोनल बदलाव (विशेषकर मेनोपॉज के आसपास) और कैल्शियम की कमी के कारण हड्डियों का घनत्व तेजी से कम होने लगता है। इस स्थिति को ऑस्टियोपेनिया या ऑस्टियोपोरोसिस कहते हैं।हड्डियों को मजबूत रखने और फ्रैक्चर के जोखिम को कम करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें। रोजाना 1,000-1,200 मिलीग्राम कैल्शियम लें। दूध, दही, पनीर, रागी, बादाम, और हरी पत्तेदार सब्जियां (पालक) को डाइट में शामिल करें।विटामिन डीः कैल्शियम के अवशोषण के लिए विटामिन डी जरूरी है। सुबह की धूप लें और अंडे की जर्दी, वसायुक्त मछली या डॉक्टर की सलाह पर सप्लीमेंट लें। प्रोटीनः हड्डियां केवल कैल्शियम से नहीं, प्रोटीन से भी बनती हैं।

सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी

इस मौसम में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है सेहत के लिए मुश्किल बढ़ाने वाली, जानिए सब कुछ इसके बारे में

जब गर्मियों में शरीर से ज्यादा पसीना निकल जाता हैं, तो सिर्फ पानी ही नहीं बल्कि सोडियम, पोटैशियम और अन्य जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स भी शरीर से बाहर निकल जाते हैं। इनकी कमी सेहत के लिए कई तरह की मुश्किलें बढ़ाने वाली हो सकती है।

देश के ज्यादातर हिस्से इन दिनों भीषण गर्मी और लू का प्रकोप झेल रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, सेहत के लिए मुश्किलें भी बढ़ती जाती हैं। अमर उजाला में प्रकाशित रिपोर्ट्स में हमने बताया कि किस तरह से गर्मी बच्चों के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है और किस तरह से ये लोगों में किडनी की बीमारियों का कारण बन सकती है।

गर्मी के दिनों में शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) होना काफी आम है। विशेषज्ञ कहते हैं, इस मौसम में सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं है, बल्कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखना बहुत जरूरी है। इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी चक्कर आने, कमजोरी, लो ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी और इसके कारण होने वाली समस्याओं को लेकर तो खूब

चर्चा होती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये इलेक्ट्रोलाइट्स आखिर होते क्या हैं और ये इतने जरूरी क्यों हैं?

इलेक्ट्रोलाइट्स के बारे में जान लीजिए

इलेक्ट्रोलाइट्स ऐसे मिनरल्स होते हैं जो हमारे शरीर के लगभग हर जरूरी कार्यों को नियंत्रित करते हैं। ये हमारे खून, पसीने और शरीर के तरल पदार्थों में घुले रहते हैं और पानी के साथ मिलकर शरीर के अंदर संतुलन बनाए रखते हैं। सोडियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल्स इलेक्ट्रोलाइट्स हैं।

गर्मियों में जब शरीर से ज्यादा पसीना निकलता है, तो पसीने के साथ सोडियम, पोटैशियम और अन्य जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स भी शरीर से बाहर निकल जाते हैं। यही कारण है कि सिर्फ पानी पीना हमेशा पर्याप्त नहीं होता, बल्कि सही इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखना भी उतना ही जरूरी होता है।

अगर यह संतुलन बिगड़ जाए तो शरीर में कमजोरी, चक्कर आना, मांसपेशियों में ऐंठन और दिल की धड़कन भी प्रभावित हो सकती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स क्यों जरूरी माना जाता है?

मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने में इसकी भूमिका होती है। मांसपेशियों और नर्वस सिस्टम के ठीक तरीके से काम करते रहने के लिए भी ये मिनरल्स जरूरी है। कैल्शियम और पोटेशियम नर्व सिग्नल्स स्वस्थ रखते हैं, जिससे मांसपेशियां सही तरीके से सिकुड़ती और फैलती हैं। दिल की धड़कन को नियमित रखने में भी पोटैशियम जैसे मिनरल्स की बड़ी भूमिका होती है।

सोडियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम की कमी

पोटैशियम की कमी (हाइपोकैलीमिया): पोटैशियम

दिल के कामकाज के लिए बहुत जरूरी है। इसकी कमी से दिल की धड़कनों में अनियमितता, मांसपेशियों में कमजोरी, ऐंठन, कब्ज और लकवा हो सकता है।

मैग्नीशियम की कमी (हाइपो मैग्नीशिया): इसकी वजह से चिड़चिड़ापन, मांसपेशियों में ऐंठन, स्वभाव में बदलाव, दौरे पड़ने और दिल की धड़कनों में अनियमितता का जोखिम रहता है।

सोडियम की कमी (हाइपोनेट्रेमिया): सोडियम की कमी से तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याएं होती हैं। इससे लो बीपी, जी मिचलाने, उल्टी, चक्कर आने, भ्रम और दौरे पड़ने का खतरा रहता है।

इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस कैसे बनाए रखें?

शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने के साथ मिनरल्स की पूर्ति करते रहना भी जरूरी है। नारियल पानी, केला, संतरा, तरबूज, दही और नमक युक्त पेय पदार्थ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं।

स्वस्थ होने पर शरीर में दिखते हैं ये संकेत, बिना किसी टेस्ट के खुद पहचानें

अगर आपके शरीर में भी ये पांच संकेत दिख रहे हैं, तो मतलब साफ है कि आपका शरीर आंतरिक रूप से भी दुरुस्त है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं और तब तक ध्यान नहीं देते जब तक कोई बड़ी समस्या सामने न आ जाए। लेकिन शरीर हमें समय-समय पर कुछ संकेत देता रहता है, जो यह बताते हैं कि हम अंदर से स्वस्थ हैं या नहीं।

अगर आप इन संकेतों को पहचान लें, तो बिना किसी मेडिकल टेस्ट के भी अपनी हेल्थ का अंदाजा लगाया जा सकता है। कई बार छोटी-छोटी चीजें इस बात का संकेत होती हैं कि आपका शरीर अंदर से फिट और संतुलित है।

वहीं इन संकेतों की कमी होने पर यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने शरीर के इन संकेतों को समझें और समय रहते अपनी लाइफस्टाइल में सुधार करें, ताकि आप लंबे समय तक स्वस्थ रह सकें।

पहला संकेत

गैस पास होना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। जब हम

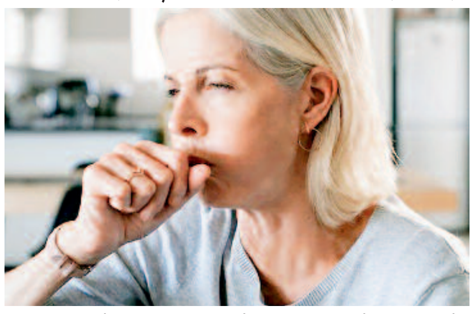

खाना खाते हैं, तो पाचन के दौरान आंतों में गैस बनती है। समय-समय पर गैस का निकलना इस बात का संकेत है कि आपका पाचन तंत्र ठीक से काम कर रहा है। अगर गैस बिल्कुल न बने या बहुत ज्यादा बनने लगे, दोनों ही स्थितियां समस्या का संकेत हो सकती हैं।

दूसरा संकेत

डकार आना भी पाचन प्रक्रिया का हिस्सा है। खाना खाते समय हम कुछ मात्रा में हवा भी निगल लेते हैं, जो बाद में डकार के रूप में बाहर निकलती है। हल्की-फुल्की डकार आना यह दिखाता है कि पेट में अतिरिक्त हवा बाहर निकल रही है और सिस्टम संतुलित है। हालांकि बार-बार या बहुत तेज डकार आना एसिडिटी का संकेत हो सकता है।

तीसरा संकेत

पेट में गड़गड़ाहट होना अक्सर भूख लगने या पाचन प्रक्रिया के सक्रिय होने का संकेत होता है। जब आंतें खाना पचाने के लिए सक्रिय होती हैं, तो आवाज़ आ सकती है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है और दर्शाता है कि आपका डाइजेस्टिव सिस्टम ठीक से काम कर रहा है, बशर्ते इसके साथ दर्द या असहजता न हो।

चौथा संकेत

यूरिन का हल्का पीला रंग होना शरीर में सही हाइड्रेशन का संकेत माना जाता है। बहुत गहरा पीला रंग डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है, जबकि बिल्कुल साफ रंग जरूरत से ज्यादा पानी पीने का संकेत दे सकता है। हल्का पीला रंग बताता है कि शरीर में पानी का संतुलन सही बना हुआ है।

पांचवां संकेत

कसरत के दौरान ज्यादा पसीना आना भी एक अच्छा संकेत हो सकता है। पसीना शरीर का प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम है, जो शरीर का तापमान नियंत्रित करता है और टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है। अगर एक्सरसाइज करते समय पसीना आता है।

क्या जेब में प्याज रखने से वाकई लू नहीं लगती, जानें सच्चाई

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को हाल ही में ये कहते सुना गया कि जेब में प्याज रखकर चलो तो लू नहीं लगेगी। इस बात में कितनी सच्चाई है, आज हम इसी बारे में जानेंगे।

गर्मी का मौसम आते ही लू लगने का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। इस मौसम में सबसे ज्यादा दिक्कत उत्तर भारत में होती है, क्योंकि यहां कई हिस्सों में का तापमान 45–50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। ऐसे में लोगों के बीच कई देसी नुस्खे प्रचलित हैं, जिनका इस्तेमाल आज भी किया जाता है।

दरअसल, इसी तरह के एक नुस्खे का जिक्र हाल ही में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे तेज गर्मी से बचाव के लिए सिर ढकने और जेब में प्याज रखने की सलाह देते नजर आए। उन्होंने इसे "सुरक्षा कवच" तक बताया।

यह मान्यता लंबे समय से ग्रामीण भारत में चली आ रही है, जहां लोग मानते हैं कि प्याज शरीर की गर्मी को सोख लेता है और लू से बचाता है। लेकिन क्या इस मान्यता के पीछे कोई वैज्ञानिक आधार है या यह सिर्फ एक मिथक है? आइए जानते हैं इसकी सच्चाई।

मेडिकल साइंस के अनुसार, जेब में प्याज रखने से लू से बचाव का कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। लू या हीट स्ट्रोक तब होता है जब शरीर का तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है और शरीर खुद को ठंडा रखने में असमर्थ हो जाता है।

यह स्थिति खासतौर पर तेज धूप, उच्च तापमान और शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन के कारण पैदा होती है। ऐसे में सिर्फ जेब में प्याज रखने से शरीर के तापमान पर कोई असर नहीं पड़ता। यह एक पारंपरिक मान्यता जरूर है, लेकिन आधुनिक चिकित्सा इसे प्रभावी उपाय नहीं मानती।

प्याज में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे एंटीऑक्सीडेंट, सल्फर कंपाउंड और कुछ ऐसे तत्व जो शरीर को ठंडक देने में मदद कर सकते हैं। खासकर गर्मियों में कच्चा प्याज खाने से शरीर को हल्की ठंडक महसूस हो सकती है और पसीना आने की प्रक्रिया बेहतर होती है, जिससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि सिर्फ प्याज खाने से लू से पूरी तरह बचा जा सकता है।

ये मान्यता क्यों बनी?

ग्रामीण भारत में लंबे समय से लोग प्राकृतिक और घरेलू उपायों पर निर्भर रहे हैं। पहले के समय में जब आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं थीं, तब लोग अपने अनुभवों और परंपराओं के आधार पर ही उपाय अपनाते थे। प्याज को ठंडक देने वाला माना गया और इसी कारण लोगों ने यह मान लिया कि इसे शरीर के पास रखने से यह गर्मी को सोख लेगा। धीरे-धीरे यह धारणा एक परंपरा बन गई और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रही, भले ही इसका कोई वैज्ञानिक आधार न हो।

सावधान, ये डिश बनाते समय खत्म हो सकती है आपकी गैस

दाल मखनी, राजमा, बिरयानी, निहारी और खीर जैसी रेसिपीज बनाने में ज्यादा समय और धीमी आंच की जरूरत होती है, जिससे एलपीजी गैस की खपत अधिक होती है। आजकल घर-घर में एलपीजी गैस का उपयोग होता है।

हालांकि गैस के दाम बढ़ने के बाद लोग एलपीजी के उपयोग को लेकर कुछ सावधानियां बरतने लगे हैं। गैस का कम उपयोग करने के लिए लोग ऐसी सामग्री बनाते हैं, जो बिना गैस के तैयार हो जाएं। इसके अलावा लोगों ने गैस के विकल्प के तौर पर एयर फ्रायर, माइक्रोवेव, इंडक्शन और राइस कुकर आदि का भी उपयोग बढ़ा दिया है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि कुछ रेसिपीज ऐसी भी होती हैं, जिनको बनाने में बहुत अधिक मात्रा में गैस का उपयोग होता है। कुछ रेसिपी हैं जिनमें ज्यादा समय और धीमी आंच की जरूरत होती है, जो गैस की खपत को तेजी से बढ़ा सकती हैं। कई बार हम बिना सोचे-समझे ऐसी डिशेज बनाना शुरू कर देते हैं, जिनमें घंटों तक गैस जलती रहती है। खासकर पारंपरिक भारतीय व्यंजन, जिनमें धीमी आंच पर पकाने की प्रक्रिया शामिल होती है, गैस की खपत को बढ़ा देती हैं। इससे जो गैस आपकी कुछ दिन चल सकती थी, वो जल्दी खत्म हो जाती है। अगर आप गैस सिलेंडर को ज्यादा दिनों तक उपयोग में लाना चाहते हैं तो कुछ रेसिपी को बनाने से बचना चाहिए। यहां आपको 5 ऐसी लोकप्रिय रेसिपी के बारे में बताया जा रहा है, जिन्हें बनाते समय गैस ज्यादा खर्च होती है।

बेटा होने वाला है 18 साल का तो भविष्य के लिए कुछ जरूरी बातें बताएं, वरना बाद में हो सकता

18 साल के होने पर बेटे को जिम्मेदारी, पैसे की समझ, सही दोस्ती, डिजिटल व्यवहार और असफलता से न डरने जैसी 5 बातें जरूर सिखानी चाहिए। ये बातें उसे एक सफल और समझदार इंसान बनने में मदद करती हैं। हर माता-पिता के लिए उनका बच्चा हमेशा छोटा ही रहता है, लेकिन

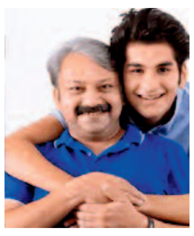

जब बेटा 18 साल का होने वाला होता है, तो जिंदगी का एक बड़ा मोड़ सामने खड़ा होता है। यह उम्र सिर्फ कानूनी तौर पर वयस्क बनने की नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों, फैसलों और आत्मनिर्भरता की शुरुआत भी होती है। इस दौर में सही मार्गदर्शन मिलना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि यही वो समय है जब बच्चे अपने जीवन के अहम फैसले लेने लगते हैं, चाहे वो करियर हो, रिश्ते हों या व्यक्तिगत आदतें। अगर इस समय माता-पिता खुलकर और समझदारी से अपने बेटे से कुछ जरूरी बातें साझा करें, तो यह उसकी जिंदगी को सही दिशा दे सकता है। कई बार हम सोचते हैं कि बच्चे खुद ही सब समझ जाएंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि उन्हें अनुभव और मार्गदर्शन की जरूरत होती है। इस लेख में हम आपको बताएंगे 5 ऐसी अहम बातें, जो हर माता-पिता को अपने 18 साल के होने वाले बेटे से जरूर करनी चाहिए, ताकि वह एक जिम्मेदार और सफल इंसान बन सके।

जिम्मेदारी लेना सीखें

अब वह बच्चा नहीं रहा, उसे अपने फैसलों की जिम्मेदारी समझनी होगी। छोटे-छोटे काम जैसे अपने खर्च संभालना, समय का सही उपयोग करना और घर के कामों में योगदान देना उसे जिम्मेदार बनाते हैं।

पैसों की वैल्यू समझाइए

कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से खर्च और बचत करना। बजट बनाना, अनावश्यक खर्च से बचना और भविष्य के लिए सेविंग करना, ये आदतें उसे आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

सही दोस्त और रिश्ते चुनना

इस उम्र में दोस्ती और रिश्ते बहुत प्रभाव डालते हैं। उसे सिखाएं कि किस तरह सकारात्मक और भरोसेमंद लोगों के साथ रहना चाहिए और गलत संगत से बचना चाहिए।

डिजिटल लाइफ का सही इस्तेमाल

सोशल मीडिया और इंटरनेट का सही उपयोग करना बेहद जरूरी है। उसे बताएं कि ऑनलाइन व्यवहार, प्राइवेसी और समय की बर्बादी से कैसे बचा जा सकता है।

असफलता से डरे नही, सीख लें

हर किसी को जीवन में असफलता का सामना करना पड़ता है। उसे समझाएं कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सीखने का मौका है। यही सोच उसे आगे बढ़ने की ताकत देगी।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कानूनी विवाद में एंजेलीना को मिली राहत अदालत ने खारिज की ब्रैड की याचिका

ब्रैड पिट से शराब बनाने वाली कंपनी शैटो मिरावल को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में आज एक्ट्रेस के हित में फैसला आया है। एक्स कपल ब्रैड पिट और एंजेलीना जोली के बीच शराब बनाने वाली कंपनी शैटो मिरावल को लेकर कानूनी लड़ाई चल रही है। अब इस मामले में अदालत ने एंजेलीना जोली को राहत दी है और उनके पक्ष में फैसला सुनाया है। लॉस एंजिल्स सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश ने ब्रैड पिट की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने फ्रांसीसी वाइनरी में अपनी हिस्सेदारी की बिक्री से जुड़े निजी ईमेल तक पहुंच की मांग की थी।

पेज सिक्स द्वारा प्राप्त अदालती दस्तावेजों के अनुसार, अदालत ने फैसला सुनाया कि ब्रैड पिट एंजेलीना जोली के इस दावे को खारिज करने में अपना दायित्व पूरा नहीं कर पाए हैं कि ये कम्युनिकेशन प्रोटेक्टेड है। याचिका को खारिज कर दिया गया है। एंजेलीना जोली के कानूनी सलाहकार पॉल मर्फी ने इस फैसले को मामले का निर्णायक पल बताया।

उन्होंने कहा, 'यह एंजेलीना जोली के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। यह फैसला दिखाता है कि ब्रैड पिट ने स्पष्ट रूप से विशेषाधिकार प्राप्त दस्तावेजों तक पहुंच की मांग करके पूरी तरह से अपनी सीमाओं को पार किया था। उन्होंने शुरू में 126 प्रिविलेज्ड डॉक्यूमेंट्स की मांग की थी, लेकिन बाद में 22 पर आ गए। अब उन्हें कुछ भी नहीं मिल रहा है।

यह एंजेलीना से जुड़ी हर चीज पर नियंत्रण रखने की ब्रैड पिट की आदत है, जिसमें उनके अपने वकीलों के साथ उनके बात करने पर नियंत्रण भी शामिल है।

टॉलीवुड

शाहरुख के साथ थिरके थलापति , पूर्व पत्नी और रूमर्ड गर्लफ्रेंड को देख हैरान हुए फैंस

अभिनेता से नेता और जल्द तमिलनाडु के सीएम बनने जा रहे थलापति विजय का एक वीडियो वायरल है। इसमें वो शाहरुख खान के साथ डांस करते नजर आ रहे है। क्लिप में विजय की पूर्व पत्नी संगीता और एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी नजर आ रही हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कझगम' ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इसके बाद से ही थलापति विजय के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अब शाहरुख खान के साथ विजय का एक वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। यह वीडियो साल 2012 का है, जब विजय को उनकी फिल्म 'थुप्पक्की' में उनके अभिनय के लिए अवॉर्ड दिया जाना था। इस समारोह में एक्टर शाहरुख खान को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। यहां उन्होंने ही विजय को पुरस्कार दिया था। स्टेज पर विजय को ट्रॉफी देने से पहले किंग खान ने थलापति को अपने साथ डांस करने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद पूरा समारोह स्थल तालियों से गूंज उठा। पहले तो विजय कुछ झिझके मगर उसके बाद वो शाहरुख के साथ अपनी फिल्म 'थुप्पक्की' के ही गाने 'गूगल गूगल' पर डांस करने लगे। इस वीडियो के वायरल होने के बाद फैंस सबसे ज्यादा हैरान तृषा और संगीता को देखकर हुए। क्लिप के एक जगह पर जहां तृषा काफी खुश दिखाई दीं। वहीं संगीता भी अपने पति की कामयाबी को निहारती दिखीं। हालांकि, अब 14 साल बाद विजय की शादी मुश्किल वक्त से गुजर रही है। फिर भी इस वीडियो को यूजर्स सोशल मीडिया पर खूब प्यार दे रहे हैं। विजय थलापति की पार्टी ने तमिलनाडु चुनाव में 108 सीटों पर जीत दर्ज की है। मगर इसके बाद भी उन्हें सरकार बनाने के लिए बहुमत की जरुरत है।

भोजपुरी

'बहू हो तो आम्रपाली दुबे जैसी' का ट्रेलर देख फैंस हुए दीवाने, 10 लाख व्यूज पार

आम्रपाली दुबे अपनी नई फिल्म 'लाखो में एक पावले बनी हम बहुरानी' के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म में वह एक संयुक्त परिवार की छोटी बहू का किरदार निभा रही हैं। फैंस उनके मुरीद हो रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा की 'क्वीन' आम्रपाली दुबे की नई फिल्म 'लाखो में एक पावले बनी हम बहुरानी' के ट्रेलर ने धूम मचा दी है। करीब चार मिनट के इस ट्रेलर को जहां यूट्यूब पर तीन दिनों में 1 मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुके हैं, वहीं फैंस इसमें आम्रपाली दुबे और संगीता तिवारी की एक्टिंग के कायल हो रहे हैं। फैंस कह रहे हैं, 'हर परिवार में ऐसी ही बहू होनी चाहिए।' यही नहीं, भोजवुड में जहां मसालेदार एक्शन फिल्मों का चलन बढ़ा है, वहीं दर्शकों का कहना है कि यह एक ऐसी पारिवारिक फिल्म साबित होने वाली है, जो भोजपुरी संस्कृति और जमीन से जुड़ी हुई कहानी लेकर आ रही है। फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें कॉमेडी का भी पुट है। डायरेक्टर अजय झा की फिल्म 'लाखो में एक पावले बनी हम बहुरानी' का ट्रेलर 28 अप्रैल को रिलीज किया गया था। जबकि फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसके राइटर अरविंद तिवारी हैं, जबकि फिल्म का निर्माण निशांत उज्जवल के साथ डॉ. संदीप उज्जवल और सुशांत उज्जवल ने रेनू विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। इस म्यूजिक ड्रामा में ओम झा और रजनीश मिश्रा का संगीत है, जबकि गीतकार भी अरविंद तिवारी ही हैं।

गर्मी में ठंडक के लिए पहनें कुछ खास रंग के कपड़े और रहें कूल

अगर आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में कौन-से रंग के कपड़े पहनने चाहिए ताकि कम गर्माहट का एहसास हो, जान लीजिए कि गर्मियों में सफेद, हल्का नीला, पेस्टल पिंक, मिंट ग्रीन और लेमन येलो जैसे हल्के रंग पहनने चाहिए, क्योंकि ये सूरज की गर्मी को कम सोखते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं।गर्मी का मौसम आते ही हमारे कपड़ों का चुनाव काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। तेज धूप, पसीना और उमस भरा मौसम न केवल हमारे मूड को प्रभावित करता है बल्कि हमारे स्टाइल पर भी असर डालता है। ऐसे में सही फैब्रिक के साथ-साथ सही रंग का चयन भी बेहद जरूरी होता है।

फैशन: क्या आप जानते हैं कि कपड़ों के रंग का सीधा असर आपके शरीर के तापमान पर पड़ता है? गहरे रंग जहां सूरज की गर्मी को ज्यादा सोखते हैं, वहीं हल्के और सॉफ्ट रंग गर्मी को रिफ्लेक्ट करते हैं, जिससे आपको ठंडक महसूस होती है। यही वजह है कि गर्मियों में हल्के रंग पहनने की सलाह दी जाती है।

अगर आप इस मौसम में स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ कूल भी रहना चाहते हैं, तो कुछ खास रंगों को अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करें। ये रंग न सिर्फ आपको गर्मी से राहत देंगे बल्कि आपके लुक को भी ट्रेंडी और फ्रेश बनाएंगे। ध्यान रखें कि हल्के और कॉटन फैब्रिक का चुनाव करें। टाइट कपड़ों से बचें और डार्क कलर्स दिन में पहनने से बचें।

सफेद: सफेद रंग गर्मियों का सबसे पसंदीदा रंग है। यह सूरज की किरणों को रिफ्लेक्ट करता है और शरीर को ठंडा रखता है। साथ ही यह हर स्किन टोन पर अच्छा लगता है।

हल्का नीला: हल्का नीला रंग आंखों को सुकून देता है और गर्मी में बेहद फ्रेश लुक देता है। यह ऑफिस और कैजुअल दोनों के लिए परफेक्ट है।

पेस्टल पिंक: यह सॉफ्ट और एलिगेंट रंग गर्मियों में स्टाइलिश लुक देता है। खासकर डे आउट या ब्रंच के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है।

मिंट ग्रीन: मिंट ग्रीन रंग न केवल ट्रेंडी है बल्कि यह ठंडक का एहसास भी देता है। यह रंग गर्मियों में आंखों को राहत देता है और कूल वाइब देता है।

लेमन येलो: लेमन येलो एक ब्राइट लेकिन हल्का रंग है जो गर्मियों में एनर्जी और फ्रेशनेस का एहसास देता है।

कॉटन फैब्रिक: कॉटन एक ऐसा फैब्रिक है जो हर गर्मी के मौसम में ट्रेंड में रहता है। यह हल्का, हवादार और पसीना सोखने वाला होता है।

बिना मेकअप सांवली त्वचा को बनाएं खूबसूरत

सांवली त्वचा की रंगत निखारने के लिए नियमित सफाई, घरेलू फेस पैक, सनस्क्रीन, हेल्दी डाइट और पर्याप्त नींद बेहद जरूरी हैं। ये उपाय त्वचा को प्राकृतिक रूप से ग्लोइंग बनाते हैं।भारत में अभी भी अधिकतर लोग गोरी त्वचा को सुंदरता का पैमाना मानते हैं। अगर आपकी त्वचा की रंगत गोरी है तो ही आपको सुंदर माना जाता है, जबकि असल में स्वस्थ और दमकती त्वता ही सबसे खूबसूरत होती है। अगर आपकी त्वचा सांवली है तो इसे छिपाने की जरूरत नहीं, बल्कि सही तरीके से निखारने की जरूरत है।

आज के समय में प्रदूषण, धूल मिट्टी, गलत खानपान और तनाव जैसी समस्याएं त्वचा की रंगत को प्रभावित करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी स्किन केयर रूटीन में कुछ आसान और असरदार उपाय शामिल करें। सांवली त्वचा को निखारने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं होती है। आप घरेलू नुस्खों और सही लाइफस्टाइल से भी शानदार ग्लो पा सकती हैं। इस लेख के जरिए जानिए 5 ऐसे आसान और प्रभावी तरीके, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को हेल्दी, ग्लोइंग और खूबसूरत बना सकते हैं।

त्वचा को रखें साफ

त्वचा पर जमी धूल, पसीना और प्रदूषण रंग को दबा देते हैं। दिन में दो बार माइल्ड फेस वॉश करें। रात में सोने से पहले चेहरा जरूर साफ करें। हफ्ते में एक-दो बार एक्सफोलिएशन करें। डेड स्किन को बाहर निकालने के लिए हल्का स्क्रब जरूरी है। इससे त्वचा में निखार आता है। ध्यान रखें ज्यादा रगड़ने से चमक नहीं बढ़ती बल्कि स्किन को नुकसान हो सकता है।

घरेलू नुस्खे

आपकी रसोई ही असली स्किन क्लिनिक रही है। दही और हल्दी के फेस पैक से टैनिंग कम होती है और त्वचा मुलायम बनती है। वहीं बेसन और गुलाब जल को मिलाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखारता है, साथ ही ऑयल कंट्रोल करता है। कच्चा दूध नेचुरल क्लींजर का काम करता है। एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक और ग्लो देता है। रोज नहीं लेकिन हफ्ते में 2-3 बार इनका इस्तेमाल करें। हालांकि उपयोग से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

धूप से बिगड़ सकती है रंगत

सांवली त्वचा में मेलानिन ज्यादा होता है, फिर भी सनटैन और पिगमेंटेशन का खतरा रहता है। इसलिए रोज सनस्क्रीन जरूर लगाएं। 3-4 घंटे में दोबारा लगाएं। धूप में दुपट्टा या कैप इस्तेमाल करें। सूरज की रोशनी से सही दूरी जरूरी है।

अरब का फैशन

यह बात अब पूरी तरह साफ़ हो चुकी है कि अरब डिज़ाइनर सिर्फ़ ग्लोबल फ़ैशन की बातचीत में हिस्सा ही नहीं ले रहे हैं बल्कि वे इसे सक्रिय रूप से आकार भी दे रहे हैं। बेरूत, पेरिस और उससे भी आगे मौजूद अपने स्टूडियो से, वे 'हाउते कॉउचर' में क्या-कुछ मुमकिन है, इसकी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े हुए हैं। एली साब और ज़ुहैर मुराद जैसे डिज़ाइनरों की लगातार मिल रही सफलता ने मोहम्मद आशी और सारा चराइबी जैसी प्रतिभाओं के लिए अभिव्यक्ति के नए तरीकों के साथ प्रयोग करने का रास्ता खोल दिया है। जिससे यह पक्का होता है कि अरब फैशन का भविष्य भी उसके वर्तमान जितना ही उज्ज्वल रहेगा।

ड्यूई मेकअप लुक पाने का सही तरीका, गर्मियों में ऐसे रखें इसे फ्रेश

एक ऐसा मेकअप स्टाइल है जिसमें त्वचा को नेचुरल, ग्लोइंग और हाइड्रेटेड लुक दिया जाता है। गर्मियों में इसे सही प्रोडक्ट्स और हल्के लेयरिंग के साथ अपनाया जाए तो यह फ्रेश और ब्राइट लुक देता है, लेकिन ज्यादा ऑयली स्किन वालों के लिए यह चिपचिपा भी लग सकता है।

आजकल मेकअप की दुनिया में ड्यूई मेकअप का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर ग्लास स्किन और नैचुरल ग्लो वाले लुक ने हर किसी को आकर्षित किया है। खासकर गर्मियों के मौसम में, जब हैवी मेकअप करना मुश्किल हो जाता है, तब ड्यूई मेकअप एक फ्रेश और हल्का विकल्प बनकर सामने आता है।

ड्यूई मेकअप का मतलब है ऐसा लुक जिसमें त्वचा अंदर से चमकती हुई और हाइड्रेटेड दिखे। यह मैट मेकअप के बिल्कुल विपरीत होता है और स्किन को एक सॉफ्ट, ग्लोइंग फिनिश देता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह गर्मियों के लिए सही है?

गर्मी में पसीना, ऑयल और धूप का असर मेकअप को खराब कर सकता है। ऐसे में ड्यूई मेकअप को सही तरीके से करना बहुत जरूरी हो जाता है, वरना यह लुक जल्दी ही ऑयली और असहज लग सकता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि ड्यूई मेकअप क्या होता है, इसे सही तरीके से कैसे किया जाए और गर्मियों में यह आपके लिए बेस्ट है या वर्स्ट।

गर्मियों में स्किन केयर के लिए जानें आसान तरीका

गर्मियों में अच्छी स्किन केयर रूटीन के लिए कुछ जरूरी स्टेप में क्लींजिंग, टोनिंग, मॉइस्चराइजिंग, सनस्क्रीन और हाइड्रेशन हैं। ये आसान आदतें त्वचा को फ्रेश, ऑयल-फ्री और ग्लोइंग बनाए रखती हैं।

गर्मियों का मौसम आते ही हमारी त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ता है। तेज धूप, पसीना, धूल और प्रदूषण त्वचा को ऑयली, डल और बेजान बना देते हैं। कई लोगों को इस मौसम में पिंपल्स, टैनिंग और स्किन इरिटेशन जैसी समस्याएं भी होने लगती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी त्वचा के लिए एक सही और नियमित स्किन केयर रूटीन अपनाएं। इसके लिए आपको महंगे प्रोडक्ट्स या पार्लर जाने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान स्टेप्स को घर पर फॉलो करके आप अपनी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकते हैं।

एक सही स्किन केयर रूटीन न सिर्फ आपकी त्वचा को साफ रखता है, बल्कि उसे सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचाता है। साथ ही यह आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और फ्रेश बनाए रखता है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे गर्मी के मौसम के लिए एक आसान और असरदार स्किन केयर रूटीन, जिसे आप घर पर ही अपना कर सकते हैं। अगर आप इन 5 आसान स्टेप्स को अपनी रोजमर्रा की आदत में शामिल करते हैं, तो आपकी त्वचा हमेशा हेल्दी, फ्रेश और ग्लोइंग बनी रहेगी।

क्लींजिंग:
दिन में 2 बार चेहरे को माइल्ड फेस वॉश से साफ करें। यह पसीना, गंदगी और अतिरिक्त ऑयल को हटाता है। ऑयली स्किन के लिए जेल-बेस्ड क्लींजर बेहतर होता है।

टोनिंग : टोनर का इस्तेमाल त्वचा के पोर्स को टाइट करता है। यह स्किन को फ्रेश और बैलेंस्ड बनाए रखता है। रोज चेहरा धोने के बाद टोनर लगाना जरूरी है।

कार्नर न्यूज

नई पीढ़ी का फैशन तेजी से छा रहा, बाजार भी तैयार है आपके लिए

जेन जी का स्ट्रीट स्टाइल बन गया ट्रेंड, कूल दिखने और कंफर्टेबल रहने के लिए आप भी ले सकते हैं टिप्स

जेन जी का स्टाइल न सिर्फ देखने में स्टाइलिश लगता है, बल्कि ये काफी कंफर्टेबल भी होता है। इसलिए हम आपको यहां बताएंगे, कि आजकल नयी पीढ़ी किस तरह के कपड़े पहनना पसंद करती है। आज की जेन जी फैशन को लेकर काफी जागरूक और एक्सपेरिमेंटल है। उनके लिए स्टाइल सिर्फ ट्रेंड फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी पहचान को दिखाना भी है। खासकर फीमेल फैशन में कंफर्ट और कूलनेस का कॉम्बिनेशन सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

ढीले-ढाले कपड़े, सॉफ्ट फैब्रिक और स्ट्रीट स्टाइल इंस्पायर्ड आउटफिट्स आज की युवतियों की पहली पसंद बन चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और फैशन इन्फ्लुएंसर्स के चलते यह ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है।

जेन जी ऐसी ड्रेसेस चुनती है जो न सिर्फ देखने में स्टाइलिश हों, बल्कि पूरे दिन आराम भी दें। यही कारण है कि ओवरसाइज फिट, रिलैक्स्ड सिल्हूट और मिक्स-मैच स्टाइलिंग आज के फैशन का अहम हिस्सा बन गए हैं। अगर आप भी कूल और कंफर्टेबल लुक चाहती हैं, तो जेन जी के ये आउटफिट आइडियाज आपके लिए परफेक्ट हो सकते हैं।

ओवरसाइज आउटफिट्स

ओवरसाइज टी-शर्ट्स, शर्ट्स और हुडीज आज के जेन जी फैशन में सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं। ये आउटफिट्स न सिर्फ स्टाइलिश दिखते हैं बल्कि पहनने में बेहद आरामदायक भी होते हैं। इनका रिलैक्स्ड फिट पूरे दिन कंफर्ट देता है और इन्हें डेनिम, शॉर्ट्स या स्कर्ट के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है, जिससे एक कूल स्ट्रीट लुक तैयार होता है।

बैगी जींस और वाइड-लेग पैंट्स

बैगी जींस और वाइड-लेग पैंट्स 90s फैशन की वापसी के साथ फिर से ट्रेंड में आ गए हैं। हाई-वेस्ट और लूज फिट स्टाइल आज की लड़कियों की पहली पसंद बन चुका है। इन्हें क्रॉप टॉप या फिटेड टॉप के साथ पहनकर एक बैलेंस्ड और ट्रेंडी लुक बनाया जा सकता है, जो कैजुअल और स्टाइलिश दोनों लगता है।

क्रॉप टॉप और लेयरिंग स्टाइल

क्रॉप टॉप को ओपन शर्ट या जैकेट के साथ पहनना जेन जी के बीच काफी पॉपुलर है। लेयरिंग से आउटफिट में डेप्थ और स्टाइल दोनों बढ़ जाते हैं। यह स्टाइल हर मौसम में फिट बैठता है और एक फ्रेश व मॉडर्न लुक देता है, जिसे आसानी से कॉलेज या आउटिंग में कैरी किया जा सकता है।

फुटवियर और एक्सेसरीज

सही फुटवियर और एक्सेसरीज किसी भी लुक को पूरा करते हैं। स्नीकर्स, प्लेटफॉर्म शूज और चंकी सैंडल्स जेन जी के बीच काफी पसंद किए जाते हैं। इसके साथ कैप, स्लिंग बैग और सनग्लासेस लुक को और स्टाइलिश बनाते हैं, जबकि मिनिमल ज्वेलरी से एक क्लीन और एलिगेंट फिनिश मिलता है।